www.vibhorvarta.com

R.N.I.No. UTTHIN/2009/29251

E-mail: vibhor.trikha@gmail.com

दैनिक

विभोर वार्ता

''मिथ्या से दूर सत्य के पास''

हरिद्वार

सोमवार, 7 जुलाई 2025

(बैशाख कृष्ण पक्ष सप्तमी, संवत 2073)

वर्ष: 17 अंक: 240

पृष्ठ: 8 मूल्य:1 रूपये

ऊधमसिंहनगर ■ देहरादून ■ हरिद्वार ■ चंडीगढ़ ■ मेरठ से एक साथ प्रकाशित

कॉर्बेट नेशनल पार्क में सीएम पुष्कर धामी ने किया जंगल सफारी

'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत हुआ 1000 से अधिक किया पौधारोपण

देहरादून (सूवि)मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने आज कार्बेट नेशनल पार्क में जंगल सफारी के दौरान वन्यजीवन की अद्भुत और रोमांचकारी झलक का अनुभव किया। उन्होंने कहा कि यह अनुभव केवल प्रकृति की सुंदरता को देखने का नहीं, बल्कि जैव विविधता और प्रकृति की अनमोल विरासत से जुड़ने का अवसर भी है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य सरकार के निरंतर प्रयासों के फलस्वरूप जंगल सफारी पर्यटन को आज एक नई पहचान मिली है। देश-विदेश से बड़ी संख्या में पर्यटक उत्तराखण्ड आ रहे हैं, जिससे राज्य की पर्यटन आधारित अर्थव्यवस्था

को मजबूती मिली है। इसके साथ ही स्थानीय लोगों के लिए स्वरोजगार और आजीविका के नए द्वार भी खुले हैं।

इस अवसर पर 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के अंतर्गत वन विभाग, स्थानीय समुदाय और पर्यावरण प्रेमियों के सहयोग से 1000 से अधिक पौधों का सामूहिक रोपण किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह महज एक पौधा रोपण नहीं, बल्कि मातृत्व और प्रकृति के प्रति सम्मान का भावपूर्ण प्रतीक है। मुख्यमंत्री ने वन विभाग की टीम से भी भेंट की और उनके द्वारा वनों व वन्यजीवों की सुरक्षा हेतु किए जा रहे कार्यों की सराहना की। उन्होंने विभाग की प्रतिबद्धता और समर्पण को राज्य की हरियाली और जैव विविधता के संरक्षण हेतु अत्यंत महत्वपूर्ण बताया।

मुख्यमंत्री ने कैलाश मानसरोवर यात्रा दल को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

टनकपुर(सूवि)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को टनकपुर स्थित पर्यटन आवास गृह से कैलाश मानसरोवर यात्रा के पहले दल को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने यात्रियों का पारंपरिक रूप से स्वागत किया तथा उत्तराखंड की सांस्कृतिक धरोहर से जुड़े स्मृति चिह्न भेंट किए।

मुख्यमंत्री ने 11 राज्यों से आए सभी श्रद्धालुओं से संवाद कर उनका देवभूमि उत्तराखंड में हार्दिक स्वागत किया। मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि कैलाश मानसरोवर की यात्रा करने का सौभाग्य हर किसी को नहीं मिलता, यह केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि आत्मिक और आध्यात्मिक जागरण का मार्ग है। उन्होंने कहा श्रद्धालु इस अद्वितीय यात्रा के सहभागी बनकर केवल यात्रा नहीं, बल्कि समर्पण की अनुभूति लेकर जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड की पवित्र धरती के कण-कण में भगवान शिव का वास है। यह यात्रा अब केवल भौगोलिक मार्ग नहीं रही, बल्कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व और दृढ़ संकल्प से यह सीमाओं को लांघते हुए शिव से साक्षात्कार का सशक्त माध्यम बन गई है। पहले जिस यात्रा में सात दिन या उससे अधिक का समय लगता था, अब वह कुछ ही घंटों में संभव हो सकी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड सरकार इस यात्रा को सुगम, सुरक्षित और सुविधाजनक बनाने के लिए पूरी तरह समर्पित है। प्रत्येक पड़ाव पर स्वास्थ्य, आवास, भोजन, सुरक्षा और अन्य आवश्यक सुविधाएं सुदृढ़ की गई हैं, जिससे श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। मुख्यमंत्री ने भगवान भोलेनाथ से सभी यात्रियों की सफल, मंगलमय और सुरक्षित यात्रा की कामना की।

इस अवसर पर सभी श्रद्धालुओं ने चम्पावत वासियों के आत्मीय व्यवहार के लिए आभार व्यक्त किया और यात्रा को स्मरणीय व सुरक्षित बनाने के लिए उत्तराखंड सरकार की उत्कृष्ट व्यवस्थाओं की सराहना की।

ऋषिकेश-यमुनोत्री हाईवे सहित 67 सड़कें बंद

उत्तरकाशी(ब्यूरो)। यमुनोत्री हाईवे पर ओजरी के समीप एनएच विभाग की ओर से करीब 24 मीटर लंबे स्पान के बैली ब्रिज का निर्माण कर रहा है। मौसम का साथ मिलने पर विभाग ने काम में तेजी लाई। इसके साथ ही स्यानाचट्टी में सिंचाई विभाग की ओर से यमुना नदी में बनी झील के मुहाने से मलबा हटाने का कार्य जारी है। बीते 28 जून को यमुनोत्री हाईवे का हिस्सा ओजरी में बह गया था।

प्रदेश में बारिश के बाद मलबा आने से सड़कों का बंद होने का सिलसिला जारी है। राज्य में ऋषिकेश-यमुनोत्री-राष्ट्रीय राजमार्ग सहित 67 सड़के बंद हैं। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के मुताबिक रुद्रप्रयाग जिले में चार ग्रामीण सड़कें, उत्तरकाशी में एक एनएच सहित 11 ग्रामीण सड़कें, नैनीताल में दो, चमोली में एक राज्य मार्ग सहित 21 ग्रामीण सड़कें, पिथौरागढ़ में छह ग्रामीण, अल्मोड़ा में एक राजमार्ग और एक ग्रामीण, बागेश्वर जिले में 11 ग्रामीण, पौड़ी गढ़वाल में तीन ग्रामीण, देहरादून में दो ग्रामीण और टिहरी जिले में तीन ग्रामीण सड़के मलबा आने से बंद हैं। उत्तराखंड में आज से फिर मानसून रफ्तार पकड़ेगा। मौसम विज्ञान केंद्र ने छह जुलाई को रुद्रप्रयाग, टिहरी, बागेश्वर और देहरादून में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। उधर, मलबा आने से सड़कों के बंद होने का सिलसिला जारी है। यमुनोत्री हाईवे समेत प्रदेश में 67 सड़कें बंद हैं।

डांग में प्रस्तावित संडे हाट बाजार का व्यापारियों ने किया विरोध

श्रीनगर (ब्यूरो)। नगर निगम क्षेत्र के वार्ड संख्या-32 डांग में प्रस्तावित संडे हाट बाजार का व्यापारियों ने विरोध दर्ज किया है। बुधवार को नगर निगम की मेयर आरती भंडारी को ज्ञापन प्रेषित किया। व्यापारियों ने डांग क्षेत्र में रविवार को लगने वाले हाट बाजार को अनुमति न दिए जाने की मांग की। व्यापार सभा अध्यक्ष सौरभ पांडेय, जगमोहन सिंह, बीरेंद्र सिंह ने कहा कि डांग क्षेत्र में वार्ड नम्बर-32 में प्रत्येक माह के रविवार को हाट बाजार आयोजित किए जाने का निर्णय लिया गया है, जिससे डांग व्यापार सभा में कड़ा रोष व्याप्त है। कहा कि डांग, श्रीनगर का एक सीमित व्यापारी क्षेत्र है, जहां पहले से ही व्यापार की स्थिति अत्यंत सामान्य और सीमित है। कहा कि अधिकांश दुकानदार अल्पवित्तीय हैं, जो अपनी दुकानें संचालित करते हैं और अपनी आजीविका चलाते हैं। कहा कि इस क्षेत्र में पहले ही व्यापारिक प्रतिस्पर्धा अधिक है।

देहरादून में पंचायत चुनाव नामांकन प्रक्रिया संपन्न, अब आज से होगी जांच प्रक्रिया

दून में आपदा प्रभावितों को मिली राहत, 7.85 लाख की अहेतुक सहायता राशि वितरित

देहरादून(ब्यूरो)। देहरादून जनपद में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव की नामांकन प्रक्रिया शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो गई है। अब आगामी 07 से 09 जुलाई तक सभी नामांकन पत्रों की जांच की जाएगी। जिला निर्वाचन कंट्रोल रूम से प्राप्त जानकारी के अनुसार, जिले के सभी 6 विकासखंडों में कुल 4050 पदों के लिए 9202 नामांकन पत्र खरीदे गए, जिनमें से 3113 नामांकन पत्र जमा किए गए हैं।

इन पदों के लिए भरे गए नामांकन

ग्राम पंचायत सदस्य: 2292 आवेदन

ग्राम प्रधान: 511 आवेदन

क्षेत्र पंचायत सदस्य: 272 आवेदन

जिला पंचायत सदस्य: 38 आवेदन

नामांकन प्रक्रिया 02 जुलाई से प्रारंभ हुई थी, जिसकी अंतिम तिथि 05 जुलाई 2025 निर्धारित थी। सभी वर्गों के उम्मीदवारों ने उत्साहपूर्वक भागीदारी की

और शांतिपूर्ण वातावरण में अपने-अपने प्रस्तावकों के साथ आवेदन पत्र जमा किए।

4050 पदों पर होगा निर्वाचन

जिला निर्वाचन कार्यालय के अनुसार, देहरादून जिले के विभिन्न विकासखंडों में निम्नलिखित पदों पर निर्वाचन होना है:

ग्राम पंचायत सदस्य: 3395 पद

ग्राम प्रधान: 409 पद

क्षेत्र पंचायत सदस्य: 220 पद

जिला पंचायत सदस्य: 26 पद

कुल मिलाकर 4050 पदों पर चुनाव की प्रक्रिया संपन्न होगी।

कुछ सीटों पर निर्विरोध निर्वाचन संभव

सूत्रों के अनुसार, कुछ ग्राम पंचायत सदस्य और ग्राम प्रधान पदों पर केवल एक ही नामांकन आने के कारण निर्विरोध निर्वाचन तय माना जा रहा है। इससे उन क्षेत्रों में मतदान की आवश्यकता नहीं पड़ेगी।

नाम वापसी की अंतिम तिथि 11 जुलाई- चुनाव प्रक्रिया के तहत जमा नामांकन पत्रों की जांच 07 से 09 जुलाई के बीच होगी, जबकि 11 जुलाई को अपराह्न 3:00 बजे तक प्रत्याशी अपने नाम वापस ले सकते हैं। इसके बाद अंतिम प्रत्याशियों की सूची जारी की जाएगी और चुनाव प्रचार का दौर शुरू होगा।

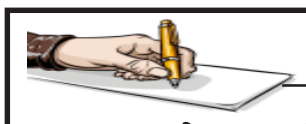

दिल्ली में पुराने वाहनों पर प्रतिबंध

हाल में राजधानी में वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) के इस आदेश ने दिल्ली एवं एनसीआर के लाखों वाहन मालिकों के लिए परेशानी पैदा कर दी कि उम्र पूरी कर चुके अर्थात 10 वर्ष से पुराने डीजल और 15 वर्ष से पुराने पेट्रोल वाहनों को ईंधन नहीं दिया जाएगा। यह आदेश इसलिए दिया गया, क्योंकि ऐसे वाहनों को चलन से बाहर करने के उसके आदेश पर अमल नहीं किया जा रहा था। ऐसे वाहनों को पेट्रोल-डीजल न देने के फैसले से दिल्ली के कई पेट्रोल पंपों पर अफरातफरी फैल गई। एक-दो दिन के अंदर ही यह एक राजनीतिक मसला बन गया और ऐसी आवाजें भी उठीं कि उम्र पूरी कर चुके वाहनों को एकाएक ईंधन न देने का फैसला सही नहीं है। खुद दिल्ली सरकार को आगे आना पड़ा और सीएक्यूएम से कहना पड़ा कि वह अपना फैसला वापस ले। प्रदूषण रोधी निकाय सीएक्यूएम के पास पूरे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में वायु की गुणवत्ता के प्रबंधन का अधिकार है। पता नहीं यह निकाय किस आधार पर इस नतीजे पर पहुंच गया कि 10 वर्ष पुराने डीजल और 15 वर्ष पुराने पेट्रोल वाहनों के इंजन ऐसे हो जाते हैं कि उनका उत्सर्जन इतना बढ़ जाता है कि वायु प्रदूषण का एक बड़ा कारण बनता है। इस नतीजे पर पहुंचने के पहले अध्ययन एवं विशेषज्ञों से विचार-विमर्श किया ही गया होगा, लेकिन शायद इसकी अनदेखी कर दी गई कि कई वाहन मालिक अपने वाहनों का कम इस्तेमाल करते हैं। अधिकतर उनका कमर्शियल इस्तेमाल भी नहीं करते। इसके चलते उनके वाहनों के इंजन इतने खराब नहीं होते कि उन्हें प्रदूषण फैलाने का दोषी मान लिया जाए। कुछ लोगों के पास तो ऐसे वाहन हैं, जो 10 साल में 50 हजार किमी भी नहीं चले होते। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर केंद्र सरकार अपनी वाहन नीति में फेरबदल करती रही है, पर उससे वायु प्रदूषण से निपटने में सफलता नहीं मिली। उत्तर भारत और विशेष रूप से राजधानी दिल्ली एवं उसके आसपास के इलाकों में वायु प्रदूषण एक विकट समस्या बना हुआ है। आबादी जैसे-जैसे बढ़ रही है, शहरों में वाहन भी बढ़ रहे हैं और उनके उत्सर्जन से होने वाला प्रदूषण भी। उत्तर भारत की भौगोलिक स्थिति ऐसी है कि सर्दियां प्रारंभ होते ही हवा में धूल और धुएं का मिश्रण स्माग बना देता है। इसके चलते वायु प्रदूषण कई गुना बढ़ जाता है। अब साफ हवा हिमालय से लगे कुछ क्षेत्रों और सुदूर दक्षिण भारत के चंद इलाकों को छोड़कर पूरे देश में खराब ही रहती है। सर्दियों में हवा और खराब एवं कई बार तो जानलेवा हो जाती है। वायु प्रदूषण के मूल कारणों में सड़कों एवं निर्माण स्थलों से उड़ने वाली धूल, वाहनों एवं कल-कारखानों का उत्सर्जन है। इसके अलावा कोयला, लकड़ियां, उपले आदि जलाने से निकलने वाला धुआं भी वायु प्रदूषण का कारण बनता है। सर्दियों के प्रारंभ में पंजाब, हरियाणा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, राजस्थान आदि में खेतों में फसलों के अवशेष यानी पराली जलाने का चलन भी वायु प्रदूषण बढ़ाने का काम करता है। दिल्ली सहित उत्तर भारत के सभी प्रमुख शहरों में ट्रैफिक जाम की स्थिति देखने को मिलती है। जब वाहन धीमी गति से चलते हैं तो वाहनों का उत्सर्जन कई गुना बढ़ जाता है। ट्रैफिक जाम से बचने के लिए जैसी सड़कें और अन्य आधारभूत ढांचा होना चाहिए, उसका अभाव दिखता है। यह अभाव धीरे-धीरे सारे देश भर में दिखने लगा है। हमारे शहर ट्रैफिक जाम, धूल, धुएं के लिए जाने जाते हैं। जहां सड़कों के किनारे फुटपाथ होते हैं, उनका उपयोग पैदल यात्री छोड़कर अन्य सब करते हैं। कहीं पार्किंग होती है और कहीं छोटी-मोटी दुकान लगी होती हैं।

तिब्बती बौद्ध धर्मगुरु दलाईलामा का उत्तराधिकारी कौन होगा

दलाई लामा को दुनिया भर में अहिंसा, करुणा और तिब्बती लोगों की सांस्कृतिक और धार्मिक पहचान की रक्षा के संघर्ष के प्रतीक के रूप में देखा जाता है जबकि बीजिंग उन्हें अलगाववादी बताता है। इसलिए दलाई लामा के उत्तराधिकार को लेकर दुनिया भर में हलचल है।

चीन ने पहले भारतीय भूभाग रहे स्वायत्त प्रदेश तिब्बत पर अवैध कब्जा किया और अब वह चाहता है कि तिब्बती बौद्ध धर्मगुरु दलाईलामा का भावी उत्तराधिकारी कौन होगा, यह फैसला भी रिपब्लिक ऑफ चाइना की सहमति और स्वीकृति से ही तय हो। लेकिन मौजूदा दलाईलामा, भारत और अमेरिका के अलावा बहुतेरे देशों को दलाईलामा के चयन में चीनी दखल मंजूर नहीं है। इसके पीछे उसका दुस्साहसी नेतृत्व भी जिम्मेदार है जो शुरू से ही तिब्बतियों के जनाधिकार को, मानवाधिकार को कुचलता आया है।

यही वजह है कि आए दिन बदलते भूराजनीतिक समीकरणों के बीच दलाईलामा के उत्तराधिकार के मसले पर भारत ने दलाई लामा का पक्ष लिया है। ऐसे में सवाल उठता है कि दलाई लामा के उत्तराधिकारी को चुने जाने का इतिहास क्या है? आखिर मौजूदा दलाई लामा को कैसे चुना गया था? वहीं, अब अगले दलाई लामा को चुने जाने की प्रक्रिया क्या हो सकती है? इसमें चीन की क्या आपत्तियां हैं? भारत और अमेरिका की अगले दलाई लामा को चुनने में क्या भूमिका हो सकती है? उल्लेखनीय है कि दलाई लामा 1959 से भारत में निर्वासन में रह रहे हैं। जब चीन के शासन के खिलाफ विद्रोह हुआ था तो वह वहां से भारत आ गए थे।

दरअसल, दलाई लामा को दुनिया भर में अहिंसा, करुणा और तिब्बती लोगों की सांस्कृतिक और धार्मिक पहचान की रक्षा के संघर्ष के प्रतीक के रूप में देखा जाता है जबकि बीजिंग उन्हें अलगाववादी बताता है। इसलिए दलाई लामा के उत्तराधिकार को लेकर दुनिया भर में हलचल है। खुद तिब्बती बौद्ध धर्मगुरु दलाई लामा ने पुष्टि की है कि उनके उत्तराधिकारी का चयन होगा। इसी के साथ यह तय हो गया है कि सैकड़ों वर्षों से चली आ रही तिब्बती बौद्धों की सर्वोच्च धर्मगुरु को चुनने की परंपरा आगे भी जारी रहेगी और भविष्य में नए दलाई लामा के नाम का एलान होगा।

मौजूदा दलाई लामा तेनजिन ग्यात्सो उर्फ ल्हामा थोंडुप के कार्यालय ने उनके हवाले सेवगत बुधवार को जारी एक बयान में कहा था, 'भविष्य के दलाई लामा को मान्यता देने की प्रक्रिया 24 सितम्बर 2011 के बयान में स्पष्ट रूप से स्थापित की गई है। इसमें कहा गया है कि ऐसा करने की जिम्मेदारी केवल गादेन फोडरंग ट्रस्ट के सदस्यों पर होगी।' जबकि परंपरागत रूप से दलाई लामा का चयन वर्तमान लामा की मृत्यु के बाद पुनर्जन्म के सिद्धांत के आधार पर होता है।

दरअसल, दलाई लामा के इस बयान के सामने आने के बाद से ही चीन से लेकर भारत और अमेरिका तक हलचल मच गई है। यह बयान देकर दलाई लामा ने इस अनिश्चितता को समाप्त कर दिया कि उनके बाद उनका कोई उत्तराधिकारी होगा या नहीं। हालांकि, अपने बयान से दलाई लामा ने चीन के साथ नए सिरे से टकराव की स्थिति पैदा कर दी है। दरअसल, उनका कहना है कि उनका उत्तराधिकारी चीन के बाहर पैदा होगा और अगर बीजिंग में उनके उत्तराधिकारी के चयन की कोशिश की जाती है तो उस व्यक्ति को अस्वीकार किया जाए।

अंतरराष्ट्रीय मामलों के जानकार बताते हैं कि इसमें कुछ भी अप्रत्याशित नहीं है, क्योंकि भारत शुरू से ही तिब्बतियों के अधिकार, उनके हितों और उनकी परंपराओं व मूल्यों के समर्थन में खड़ा रहा है। यही वजह है कि केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू का बयान चीन के लिए एक सख्त संदेश भी है कि इस संवेदनशील मसले पर अब उसकी मनमानी नहीं चलेगी। उनके बयानों से स्पष्ट है कि यह 1962 का भारत नहीं है, बल्कि 2025 तक वह कई मामलों में चीन का मजबूत प्रतिद्वंद्वी बनकर उभरा है।

मौजूदा नौबत इसलिए आई कि 14वें दलाई लामा ने अपने वर्तमान पद के लिए अगले शख्स को चुनने की सारी जिम्मेदारी षादेन फोडरंग ट्रस्टष को दे दी है। साथ ही उन्होंने कहा भी है कि अगले दलाई लामा के चुनाव के मामले में किसी और को हस्तक्षेप करने का कोई अधिकार नहीं है। इसका मतलब साफ है कि उनका इशारा चीन की ओर था। यही वजह है कि रिजिजू ने भी उनकी इस बात का समर्थन किया है। वहीं, चीन का इस बारे में कहना है कि दलाईलामा के उत्तराधिकारी का चयन चीनी मान्यताओं के अनुसार और पेइचिंग की मंजूरी से होना चाहिए।

भारत शुरू से ही दलाई लामा के साथ है, क्योंकि उनकी ताकत बहुत ज्यादा है। देखा जाए तो तिब्बत के लिए दलाई लामा केवल धार्मिक गुरु नहीं हैं, बल्कि वह उसकी सांस्कृतिक पहचान, उसके वजूद और उसके ताकत के केंद्र हैं। यही वजह है कि साल 1959 में जब उन्हें कम्युनिस्ट सरकार के दमन के चलते भारत में शरण लेनी पड़ी थी, तब से हालात बिल्कुल बदल गए हैं। अब भले ही चीन बेहद ताकतवर हो चुका है और तिब्बत कमजोर, लेकिन गुजश्ते वक्त के साथ बदला हुआ भारत प्रारंभ से ही तिब्बत के साथ है। ऐसे में यदि तिब्बत का मसला जिंदा है, तो वजह हैं दलाई लामा और भारत के बीच का अटूट विश्वास। साम्राज्य वादी चीन भी इसे समझता है और इसी वजह से वह इस पद पर अपने प्रभाव वाले किसी शख्स को बैठाना चाहता है, ताकि उसके कथित आंतरिक मामले में भारत की दाल ज्यादा नहीं गल सके।

बदलते वैश्विक परिवेश में दलाईलामा के विचारों का भू-राजनीतिक असर स्वाभाविक है। ऐसा इसलिए कि चीन ने तिब्बत की पहचान को मिटाने की हर मुमकिन कोशिश कर ली है। इसी कड़ी में दलाई लामा के पद पर दावा उसकी ओर से ऐसी ही एक और अदद कोशिश भर है। उसकी वजह से ही यह मामला धर्म से आगे बढ़कर जियो-पॉलिटिक्स का रूप ले चुका है, जिसका असर भारत और उन तमाम जगहों पर पड़ेगा, जहां तिब्बत के लोगों ने शरण ली है।

क्या भारत ग्लोबल साउथ में अपनी खोई विरासत फिर हासिल कर पाएगा?

घाना की संसद से लेकर अक्रा की सड़कों तक, मोदी की यह यात्रा कोई साधारण कूटनीति नहीं। यह भारत की विदेश नीति की अग्निपरीक्षा है। भारत कई मोर्चों पर जूझ रहा है। ऑपरेशन सिंदूर का अधूरा नतीजा जनता के मन में सवाल छोड़ गया है।

'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद तमाम सवालों से घिरे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जब घाना की धरती पर उतरे, तो उनके कदमों में 75 साल की उम्र की थकान और हार न मानने की जिद एकसाथ झलक रही थी। अक्रा के हवाई अड्डे पर, हल्के नीले नेहरू जैकेट में सजे मोदी का चेहरा तनाव और सुकून के मिश्रित भाव लिए था। शायद यह नेहरू जैकेट सिर्फ एक परिधान नहीं, बल्कि उस नेहरू की याद का प्रतीक था, जिन्होंने कभी घाना की जनता को आजादी और ग्लोबल साउथ की एकजुटता का सपना दिखाया था। घाना के राष्ट्रपति जॉन ड्रामानी महामाहा ने उनका स्वागत किया, लेकिन हवा में सवाल गूँज रहे थे। ऑपरेशन सिंदूर की आधी-अधूरी कहानी, अमेरिका की मध्यस्थता की खबरों ने भारत की स्वायत्तता को कटघरे में खड़ा किया है, और हालिया भारत-पाक तनाव में चीन की सैन्य मदद ने ग्लोबल साउथ में भारत की साख को दांव पर ला दिया है।

पिछले महीने पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत भारत ने सीमित सैन्य कार्रवाई की। सेना निर्णायक कदम के लिए तैयार थी, मगर आखिरी पल में राजनीतिक नेतृत्व ने कदम पीछे खींच लिए। इंडोनेशिया में तैनात नौसेना अधिकारी कैप्टन शिव कुमार ने खुलासा किया, "हम तैयार थे, लेकिन रणनीति में स्पष्टता की कमी ने हमें रोका।" इस खुलासे ने देश में हलचल मचा दी। अमेरिका की मध्यस्थता की खबरों ने भारत की स्वायत्त कूटनीति पर सवाल उठाए। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने तंज कसा, "मोदी सरकार की विदेश नीति अब फोटो सेशन और खोखली घोषणाओं तक सिमट गई है। नीतिगत दृढ़ता गायब है।"

पर्दे के पीछे, चीन की भूमिका ने आग में घी डाला। हालिया भारत-पाक तनाव में चीन ने पाकिस्तान को फाइटर जेट, मिसाइल, और सैटेलाइट डेटा देकर समर्थन दिया, जिसे विशेषज्ञ भारत के खिलाफ रणनीतिक चाल मानते हैं।

इस तूफानी माहौल में मोदी अक्रा पहुंचे। घाना की संसद में उनका स्वागत पारंपरिक ढोल की थाप और स्थानीय गीतों ने किया। मोदी ने ट्वीट किया, "अक्रा पहुंचना सम्मान की बात है। राष्ट्रपति महामाहा का स्वागत हमारे पुराने, भरोसेमंद रिश्तों का प्रतीक है। हम भारत-घाना संबंधों को नई ऊँचाइयों पर ले जाएंगे।" लेकिन सवाल वही हैख्रक्या यह यात्रा ऑपरेशन सिंदूर की चूक, अमेरिका पर निर्भरता, और चीन की बढ़ती चुनौती को पार कर भारत की साख सुधारेगी? या यह सिर्फ एक और कूटनीतिक चमक-दमक बनकर रह जाएगी?

अक्रा के बाजारों में भारतीय मसालों की खुशबू और बॉलीवुड गानों की गूँज घाना को भारत से जोड़े रखती है। यह रिश्ता कागजी कूटनीति से कहीं गहरा हैख्रयह साझा संघर्ष और सपनों की कहानी है। 1950 के दशक में घाना के पहले राष्ट्रपति क्वामे एनक्रूमा भारत आए। गांधी की अहिंसा और नेहरू की 'ग्लोबल साउथ' की सोच ने उन्हें इतना प्रभावित किया कि उन्होंने घाना की आजादी की लड़ाई को नई दिशा दी। 1957 में घाना के आजाद होने पर भारत ने वहाँ अपना पहला दूतावास खोला।एक पुराना किस्सा हैख्र1960 में नेहरू की घाना यात्रा के दौरान एनक्रूमा ने उन्हें एक शानदार 'केन्टे' कपड़ा भेंट किया, जो आज अक्रा के नेशनल म्यूजियम में प्रदर्शित है। उस स्वागत में स्थानीय जनजातियों ने ढोल-नगाड़ों के साथ नृत्य किया, और नेहरू की सादगी ने सबका दिल जीत लिया।2011 में मनमोहन सिंह की यात्रा भी कम यादगार नहीं थी। नीली पगड़ी और सादे सूट में वह घाना की संसद में बोले, "भारत अफ्रीका का प्राकृतिक सहयोगी है। हमारा रिश्ता संसाधनों या निवेश तक सीमित नहीं, बल्कि साझा विकास और मानवीय सहयोग पर आधारित है।" उनकी बातों में गहराई थी, और स्वागत में घानाई गायकों ने पारंपरिक गीत गाए।भारत-घाना व्यापार नेहरू काल से लंबा सफर तय किया है। 2004 में यह महज 213 मिलियन डॉलर था, जो मनमोहन सिंह के कार्यकाल में 2013-14 तक 1.2 अरब डॉलर पहुंचा। मोदी सरकार में यह 2017-18 में 3.34 अरब और 2018-19 में 4.48 अरब डॉलर तक गया, लेकिन 2023-24 में 2.51 अरब तक सिमट गया। 2024-25 (अप्रैल-अक्टूबर) में शुरुआती व्यापार 3.13 अरब डॉलर रहा। भारत का व्यापार घाटा बढ़ा है, क्योंकि घाना से सोना और तेल (घाना के निर्यात का 70%) तेजी से आयात हो रहा है।

देश के कई राज्यों में 10 जुलाई तक होगी जमकर बारिश, तेज हवा और बिजली गिरने का अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के कुछ हिस्सों में भारी बारिश ने कहर बरपाया है। पिछले दो सप्ताह में हिमाचल प्रदेश में 43 लोगों की मौत हो गई, जबकि 37 अन्य लोग लापता हैं। गुरुवार को उत्तराखंड के भीमताल में उफनती झील में भारतीय वायुसेना के 2 कर्मी डूब गए। ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर के निवासियों को शुक्रवार को भी कई निचले इलाकों में जलभराव की समस्या का सामना करना पड़ा। जल निकासी व्यवस्था ठप होने के कारण भुवनेश्वर नगर निगम को बारिश का पानी निकालने में काफी मशक्कत करनी पड़ी।

भारी बरसात के चलते कुछ जगहों पर तबाही भी देखने को मिली है। बारिश और आंधी-तूफान का यह सिलसिला अभी जारी रहने वाला है। भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, मॉनसून ट्रफ सामान्य स्थिति में है। पूर्वी मध्य प्रदेश में निचले स्तर पर चक्रवाती हवाओं का क्षेत्र बना हुआ है। गंगीय पश्चिम बंगाल के उत्तरी भागों में भी निचले व मध्य स्तर पर चक्रवाती हवाओं का क्षेत्र देखा गया है। इन मौसमी प्रणालियों के प्रभाव से पूर्वी, मध्य और उत्तर-पश्चिम भारत के कई हिस्सों में अगले 7 दिनों तक भारी से अत्यधिक भारी बारिश होगी। ऐसे में आपको पहले से सतर्क हो जाने की जरूरत है। हिमाचल प्रदेश में मॉनसून ने 20 जून को दस्तक दी। बादल फटने, अचानक आई बाढ़ और भूस्खलन के कारण राज्य को अब तक 5,000 करोड़ रुपये का नुकसान हो चुका है। राज्य में जान गंवाने वाले 43 लोगों में से 14 की मौत बादल फटने से, 8 की अचानक आई बाढ़ में और एक की मौत भूस्खलन में हुई, जबकि सात लोगों की डूबने मौत हुई। सबसे अधिक 17 मौतें मंडी जिले में हुईं, जहां मंगलवार को बादल फटने से अचानक बाढ़ आ गई। अधिकारियों ने बताया कि मंडी जिले से लापता 31 लोगों की तलाश अब भी जारी है। स्थानीय मौसम विभाग ने ऑरेंज अलर्ट जारी किया है, जिसमें शनिवार से मंगलवार तक राज्य के अलग-अलग हिस्सों में भारी से बहुत भारी बारिश की चेतावनी दी गई है। देश के पूर्वी हिस्से में ओडिशा के निचले इलाकों में जलभराव जारी है। भुवनेश्वर नगर निगम आयुक्त राजेश प्रभाकर पाटिल ने लक्ष्मीसागर और बड़ागड़ा सहित कुछ प्रभावित इलाकों का दौरा किया और युद्धस्तर पर पानी निकालने का निर्देश दिया। नगर निकाय ने लोगों को बड़ागड़ा से रसूलगढ़ जाने वाले मार्ग पर नहीं जाने और वैकल्पिक सड़कों का इस्तेमाल करने की सलाह दी है। अच्छी खबर यह है पूर्वोत्तर के कुछ हिस्सों त्रिपुरा, मिजोरम, मणिपुर और असम की बराक घाटी के लिए ट्रेन सेवाएं शुक्रवार को बहाल कर दी गईं। दीमा हसाओ जिले में भूस्खलन के कारण एक दिन पहले क्षेत्र में ट्रेन सेवाएं बाधित हो गई थीं।

मध्य प्रदेश और राजस्थान में भारी बारिश

मध्य प्रदेश के कई इलाकों में भारी बारिश से शुक्रवार को जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। आईएमडी ने राज्य के पूर्वी हिस्से में मंडला, सिवनी और बालाघाट जिलों के लिए रेड अलर्ट जारी किया है। अधिकारियों ने बताया कि पिछले 24 घंटे में 27 से ज्यादा जिलों में बारिश हुई। बारिश के कारण जबलपुर और मंडला जिलों को जोड़ने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग पर भूस्खलन होने के बाद यातायात अवरुद्ध हो गया। राजस्थान में दक्षिण पश्चिम मॉनसून की तेज बारिश का दौर जारी है। पिछले 24 घंटे में सर्वाधिक 128 मिलीमीटर बारिश पोकरण में हुई। मौसम विभाग के अनुसार राज्य के अनेक भागों में तेज बारिश का दौर अभी जारी रहेगा। पिछले चौबीस घंटे की अवधि में राज्यभर, खासतौर पर पश्चिमी राजस्थान में कहीं-कहीं भारी से अति भारी बारिश हुई। इस दौरान सबसे अधिक बारिश पोकरण में 128 मिलीमीटर हुई। आईएमडी के अनुसार, पूर्वी राजस्थान के कोटा, अजमेर, जयपुर, भरतपुर, उदयपुर संभाग के कुछ भागों में आगामी चार-पांच दिन बारिश की गतिविधियां जारी रहेंगी। कहीं-कहीं भारी/अतिभारी बारिश की संभावना है। वहीं जोधपुर, बीकानेर संभाग के कुछ भागों में भी आगामी दो-तीन दिन मध्यम व कहीं-कहीं तेज बारिश हो सकती है।

राजनाथ, डोभाल के बाद अब जयशंकर जा रहे चीन की तीन दिवसीय यात्रा पर

नई दिल्ली। भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर 13 जुलाई से चीन के तीन दिवसीय दौरे पर जा रहे है। इस दौरान वे द्विपक्षीय और शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के विदेश मंत्रियों की बैठकों में भाग लेने वाले है। यह दौरा तब हो रहा है जब भारत और चीन पूर्वी लद्दाख में गश्त के अधिकारों पर सहमति के बाद संबंधों को सामान्य करने का प्रयास कर रहे हैं। पिछले साल अक्टूबर में इस मुद्दे पर सहमति बनी थी, जिसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मुलाकात ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान कजान में हुई थी। जयशंकर का यह दौरा इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह गलवान झड़पों के बाद दोनों देशों के बीच संबंधों को पटरी पर लाने की कोशिश का हिस्सा है। उम्मीद है कि इस दौरे से भारत और चीन के रिश्तों में सुधार आएगा। बात दें कि जयशंकर तियानजिन में एससीओ के विदेश मंत्रियों की बैठक में हिस्सा लेने वाले है। यह बैठक 1 सितंबर को होने वाले एससीओ शिखर सम्मेलन से पहले हो रही है, जिसके लिए चीन ने प्रधानमंत्री मोदी को आमंत्रित किया है। जयशंकर बीजिंग में चीन के कई नेताओं से मुलाकात करने और आपसी सहयोग पर बातचीत करने वाले है। इस दौरे का मुख्य लक्ष्य दोनों देशों के बीच तनावपूर्ण संबंधों को सामान्य करना है। इसके तहत कैलाश मानसरोवर यात्रा पांच साल के बाद फिर से शुरू हो गई है, और दोनों देश सीधी उड़ानें फिर से शुरू करने पर भी बातचीत कर रहे हैं।

राहुल गांधी, उनके साथी और कांग्रेस पार्टी नकारात्मकता फैलाते हैं: पीयूष गोयल

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा अमेरिका के साथ भारत की व्यापार वार्ता पर दिए गए बयान पर केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत समय-सीमा के तहत बातचीत नहीं करता है, हम राष्ट्रीय हितों को ध्यान में रखते हुए बातचीत करते हैं। दुनिया भर में हमारे सभी कार्यों में राष्ट्रीय हित सर्वोपरि है।

उन्होंने कहा कि आज हम आत्मविश्वास से भरे हैं और दुनिया में किसी से भी मुकाबला कर सकते हैं। राहुल गांधी पर तंज सकते हुए गोयल ने कहा कि यह यूपीए शासन वाला भारत नहीं है, जो राष्ट्रीय हित के बिना बातचीत के लिए भीख मांगता था। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को अब कोई गंभीरता से नहीं लेता है, क्योंकि वे उनके साथी और उनकी पार्टी नकारात्मकता फैलाते हैं। उन्होंने भारत के लोगों का विश्वास खो दिया है, जिन्होंने बार-बार कांग्रेस को नकार दिया है। आज तक वे देश के विकास के लिए कोई सकारात्मक एजेंडा नहीं बना पाए हैं। इससे पहले राहुल गांधी ने उनके इस बयान को लेकर एक्स पर पोस्ट में लिखा- पीयूष गोयल जितना चाहें अपनी छाती पीट सकते हैं, मेरे शब्दों पर गौर करें, ट्रंप की शुल्क संबंधी समयसीमा के सामने मोदी आसानी से झुक जाएंगे। ट्रंप ने भारत से आयात होने वाले उत्पादों पर दो अप्रैल को 26 फीसदी का अतिरिक्त जवाबी शुल्क लगा दिया था। हालांकि, कुछ दिन बाद ही इसे 90 दिन के लिए टाल दिया गया था जिसकी मियाद 9 जुलाई को पूरी हो रही है।

उद्धव और राज के साथ आने पर चिराग का तंज, दोनों भाई अपना वजूद बचाने के लिए साथ आए

पटना (एजेंसी)। महाराष्ट्र में हिंदी भाषा विवाद पर केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने कहा कि मैं हर भाषा का समर्थन और सम्मान करता हूं। उन्होंने कहा कि यह भारत की खूबसूरती है कि अलग-अलग राज्यों में अलग-अलग भाषाएं बोली जाती हैं। हर कुछ किलोमीटर पर हमारी बोली बदल जाती है। मैं भाषाओं को दोस्त मानता हूं, वे एक साथ खुशी-खुशी बढ़ी हैं। लेकिन जिस तरह से कुछ स्वार्थी राजनीतिक दल भेदभाव की राजनीति को बढ़ावा देते हैं, चाहे वह जाति, धर्म, क्षेत्र और अब भाषा हो। मैं इसका बिल्कुल भी समर्थन नहीं करता।

केंद्रीय मंत्री चिराग ने कहा कि भारत का संविधान हमें देश के किसी भी कोने में रहने और कोई भी भाषा बोलने की अनुमति देता है। उद्धव और राज ठाकरे के सालों बाद साथ आने पर चिराग ने कहा कि वे भाषा के लिए नहीं, बल्कि अपने स्वार्थ के लिए साथ आ रहे हैं। वे अपना खोया हुआ आधार वापस पाने के लिए बेताब हैं। दोनों भाइयों ने देखा कि अलग रहने से न केवल उनकी ताकत कम हुई बल्कि खत्म भी हो गई।

केंद्रीय मंत्री चिराग ने कहा कि मुझे यकीन नहीं है कि उन्होंने अपने मतभेद सुलझाए हैं...मेरा मानना है कि वे सिर्फ अपने राजनीतिक फायदे के लिए साथ आए हैं। मुझे नहीं लगता कि उनके दिल इतनी जल्दी जुड़ जाते और राजनीतिक मतभेद खत्म हो जाते। उद्धव ठाकरे ने कहा कि वह और उनके चचेरे भाई राज ठाकरे ''एकसाथ रहने के लिए साथ आए हैं।'' उद्धव ने करीब 20 वर्ष बाद महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के प्रमुख के साथ राजनीतिक मंच साझा किया।

उन्होंने कहा कि वह और राज मिलकर मुंबई नगर निगम और महाराष्ट्र की सत्ता पर कब्जा करने वाले है। उद्धव ने कहा, ''हम साथ रहने के लिए साथ आए हैं। दो दशकों के बाद उद्धव और राज ने सार्वजनिक मंच साझा किया और 'आवाज मराठीचा' नामक एक विजय सभा आयोजित की जो राज्य के स्कूलों में कक्षा एक से तीसरी के रूप में हिंदी को शामिल करने के लिए सरकार द्वारा पहले जारी किए गए दो सरकारी आदेशों को वापस लेने का जश्न मनाने के लिए की गई।

केरल में निपाह वायरस ने फिर दी दस्तक, दो संदिग्ध मिले, तीन जिलों में अलर्ट

तिरुवनंतपुरम। केरल में निपाह वायरस के संभावित खतरे को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह से मुस्तैद है। कोझिकोड, मलप्पुरम और पलक्कड़ जिलों में विशेष टीमें बनाई गई हैं। ये टीमें मरीजों के हिस्ट्री और लक्षणों पर नजर रखेंगी। साथ ही लोगों को इस बारे में जानकारी भी देंगी। अधिकारियों को मलप्पुरम और पलक्कड़ जिलों में कुछ संदिग्ध मामले मिले हैं। ये मामले कोझिकोड और मलप्पुरम के सरकारी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पतालों में नियमित जांच के दौरान सामने आए। केरल में निपाह वायरस के संक्रमण का खतरा मंडरा रहा है। दो लोगों में इस बीमारी के लक्षण दिखने के बाद स्वास्थ्य विभाग सतर्क हो गया है। शुक्रवार को केरल के तीन उत्तरी जिलों– कोझिकोड, मलप्पुरम और पलक्कड़ में अलर्ट जारी किया गया है। अधिकारियों ने बताया कि पुणे स्थित राष्ट्रीय विषाणु विज्ञान संस्थान में सैंपलों को जांच के लिए भेजा गया है। स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने स्थिति का जायजा लेने के लिए एक आपात बैठक की और निवारक उपायों को सख्त करने के निर्देश दिए हैं। स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने कहा कि सरकार इस बीमारी को फैलने से रोकने के लिए हर संभव कदम उठा रही है। पुलिस से भी मदद मांगी गई है ताकि रोगियों के संपर्क में आए लोगों की पहचान की जा सके।

स्टालिन के खिलाफ पलानीस्वामी ने भरी हुंकार, नया लोगो और नारा जारी किया

-7 जुलाई को कोयंबटूर से शुरू होगा राज्यव्यापी अभियान

चेन्नई (एजेंसी)। देश के दक्षिण राज्य तमिलनाडु में अगले साल विधानसभा चुनाव होने है। इस लेकर एआईएडीएमके महासचिव एडप्पादी के पलानीस्वामी ने राजधानी चेन्नई स्थित पार्टी मुख्यालय 'एमजीआर मालिगई' से एक नया लोगो और नारा जारी करके अपने 2026 के विधानसभा चुनाव अभियान की शुरुआत की। उन्होंने घोषणा की कि 'मक्कलाई कप्पोम, तमिजहागथाई मीटपोम' (आइए लोगों की रक्षा करें, आइए तमिलनाडु को मुक्ति दिलाएं) शीर्षक से उनका राज्यव्यापी अभियान 7 जुलाई को कोयंबटूर से शुरू होगा, जो पहले चरण में आठ जिलों को कवर करेगा।

नए लांच किए गए अभियान के लोगो में एआईएडीएमके के झंडे के साथ दो पत्ते, क्रांति का प्रतीक एक उठी हुई मुट्ठी और 'पुरात्ची तमिजहरिन एझुची पयानम' और 'तमिलगाथई कप्पोम, मकलाई मीटपोम' के नारे शामिल हैं, जो तमिलनाडु के लोगों की रक्षा और उत्थान के पार्टी के मिशन को मजबूत करते हैं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पलानीस्वामी ने कहा कि पेरारिगनार अन्ना के पदचिन्हों पर चलते हुए, हमारे नेता एमजीआर और अम्मा ने लोगों के लिए अपना पूरा जीवन खपा दिया है। एआईएडीएमके उसकी अनुसरण करते हुए लोगों के कल्याण के लिए काम कर रही है।

मुख्यमंत्री एमके स्टालिन पर तीखा कटाक्ष कर पलानीस्वामी ने कहा, मुख्यमंत्री स्टालिन कहते हैं कि विपक्षी नेता अब केवल लोगों से मिल रहे हैं। लेकिन स्टालिन को लगता है कि वे मेरे बारे में बोल रहे हैं, लेकिन वास्तव में वे अपने बारे में कह रहे हैं। मैं हमेशा लोगों के साथ रहता हूं। पलानीस्वामी ने स्पष्ट किया कि हालांकि यह एक अभियान यात्रा थी, लेकिन इसका राजनीतिक लक्ष्य कहीं अधिक बड़ा है। उन्होंने कहा, हमारा लक्ष्य इस दुष्ट सरकार को हटाना है। उन्होंने 2026 के राज्य चुनावों से पहले टकराव का स्वर भी दिखाया। उन्होंने कहा, डीएमके को हराने के लिए सभी समान विचारधारा वाली पार्टियों को एकजुट होना चाहिए। उन्हें हमारे अनुरोध को भी स्वीकार करना चाहिए, जो हमारी राय है।

दलाई लामा के 90वें जन्मदिन समारोह में शामिल होना खुशी की बात: रिजिजू

-दुनिया भर से भक्त और अनुयायी धर्मशाला पहुंचे, लंबी उम्र की प्रार्थना की

धर्मशाला (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने शनिवार को धर्मशाला में तिब्बती आध्यात्मिक नेता और 14वें दलाई लामा के 90वें जन्मदिन समारोह में शामिल होने पर खुशी जाहिर की। उन्होंने बताया कि दलाई लामा की लंबी उम्र के लिए प्रार्थना की गई, जबकि उनका 90वां जन्मदिन रविवार को मनाया जाएगा। रिजिजू ने कहा कि वह दलाई लामा के 90वें जन्मदिन समारोह में शामिल होने यहां आए हैं। दुनिया भर से भक्त यहां आए हैं और मुझे खुशी है कि मैं भी इसमें शामिल हो रहा हूं।

किरेन रिजिजू के अलावा अरुणाचल प्रदेश के सीएम पेमा खांडू और प्रसिद्ध हॉलीवुड अभिनेता रिचर्ड गेरे भी दलाई लामा के जन्मदिन समारोह में शामिल होने पहुंचे हैं। ग्रेगोरियन कैलेंडर के मुताबिक दलाई लामा का जन्मदिन आधिकारिक तौर पर 6 जुलाई को मनाया जाता है। इस मौके को तिब्बती समुदाय और अनुयायी उत्सवी भावना और भक्ति के साथ मनाते हैं। 2 जुलाई को दलाई लामा ने कहा कि उनके द्वारा स्थापित संस्था गदेन फोडरंग ट्रस्ट केवल भावी पुनर्जन्मों को मान्यता दे सकती है और इस मामले पर फैसला लेने का अधिकार किसी और को नहीं है।

बता दें दलाई लामा ने बुधवार को कहा था कि भविष्य के दलाई लामा को मान्यता देने की प्रक्रिया 24 सितंबर 2011 के बयान में स्पष्ट रूप से की गई है, जिसमें कहा गया है कि ऐसा करने की जिम्मेदारी केवल गदेन फोडरंग ट्रस्ट, परम पावन दलाई लामा के कार्यालय के सदस्यों पर होगी। उन्हें तिब्बती बौद्ध परंपराओं के प्रमुखों और दलाई लामाओं की वंशावली से अविभाज्य रूप से जुड़े विश्वसनीय शपथबद्ध धर्म रक्षकों से परामर्श करना चाहिए।

पेपर चेकिंग के लंबित बिलों का हो जल्द से जल्द भुगतान: कुलपति प्रो. योगेश सिंह

-डीयू एसी ने दी पूर्व पीवीसी प्रोफेसर पीसी जोशी को श्रद्धांजलि

-डीयू के कॉलेजों में पढ़ाया जाएगा 'भारतीय इतिहास में सिख शहादत'

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विश्वविद्यालय अकादमिक परिषद (एसी) की 1023 वीं बैठक का आयोजन कुलपति प्रो. योगेश सिंह की अध्यक्षता में 05 जुलाई, 2025 को हुआ। दिल्ली विश्वविद्यालय अकादमिक परिषद की बैठक के आरंभ में डीयू के पूर्व प्रति कुलपति एवं पूर्व एक्टिंग कुलपति स्वर्गीय प्रोफेसर पीसी जोशी को श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर उनकी सेवाओं को भी याद किया गया और एक शोक प्रस्ताव पारित किया गया। बैठक में जीरो आवर के दौरान एक सदस्य द्वारा पेपर चेकिंग की पेमेंट में देरी का मुद्दा उठाए जाने पर कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने आदेश दिया कि सभी विभाग लंबित बिलों को जल्दी सबमिट करें और परीक्षा शाखा एवं वित्त विभाग जल्द से जल्द भुगतान सुनिश्चित करें। कुलपति ने कहा कि शिक्षकों को भुगतान समय पर मिलना चाहिए।

डीयू के कॉलेजों में ÷भारतीय इतिहास में सिख शहादत (लगभग 1500-1765)÷ को सामान्य वैकल्पिक पाठ्यक्रम के रूप में पढ़ाया जाएगा। इसके कोर्स को अकादमिक परिषद ने स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। डीयू के सीपीआईएस द्वारा सिख शहादत का कोर्स प्रस्तुत करने पर कुलपति ने सीपीआईएस को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह कोर्स केवल सिखों के इतिहास से संबंधित ही नहीं बल्कि भारत के इतिहास से भी संबंधित है। कुलपति प्रो. योगेश सिंह के निर्देशानुसार पांच वर्षों के बाद दिल्ली विश्वविद्यालय का अंडरग्रेजुएट अकादमिक सत्र एक अगस्त से शुरू हो रहा है। इसके लिए अकादमिक परिषद के सदस्यों ने कुलपति का आभार जताया। बैठक के आरंभ में जीरो ऑवर के दौरान परिषद के सदस्यों ने अनेकों मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की और अपने-अपने विचार एवं सुझाव प्रस्तुत किए।

बैठक के दौरान रजिस्ट्रार डॉ. विकास गुप्ता द्वारा एजेंडा प्रस्तुत किया गया। एजेंडे के अनुसार शैक्षणिक मामलों पर अकादमिक परिषद की स्थायी समिति की बैठकों में की गई सिफारिशों पर विचार करते हुए स्नातक पाठ्यक्रम रूपरेखा (यूजीसीएफ) 2022 के आधार पर विभिन्न संकाय के पाठ्यक्रमों को भी चर्चा के पश्चात स्वीकृति प्रदान की गई। इसी प्रकार स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम रूपरेखा (पीजीसीएफ) 2024 के आधार पर विभिन्न संकाय के पाठ्यक्रमों को मामूली संशोधनों के साथ स्वीकृति प्रदान की गई।

डीयू विद्यार्थी जीई में पढ़े सकेंगे 'भारतीय इतिहास में सिख शहादत'

दिल्ली विश्वविद्यालय के स्वतंत्रता एवं विभाजन अध्ययन केंद्र (सीआईपीएस) द्वारा 'भारतीय इतिहास में सिख शहादत (लगभग 1500-1765)' के नाम से एक कोर्स प्रस्तुत किया गया है जो सभी सामान्य वैकल्पिक पाठ्यक्रमों के लिए है। सभी कॉलेजों के लिए प्रस्तुत यह स्नातक कोर्स 4 क्रेडिट का है जिसमें दाखिले की पात्रता के लिए किसी भी स्ट्रीम में कक्षा 12वीं पास होना आवश्यक है। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य सिख समुदाय के साथ जुड़े ऐतिहासिक संदर्भ एवं सिख शहादत के प्रमुख ऐतिहासिक उदाहरणों, धार्मिक उत्पीड़न और आधिपत्य पूर्ण राज्य उत्पीड़न के खिलाफ प्रतिरोध को समझना है। इस कोर्स के माध्यम से विद्यार्थी मुगल राज्य और समाज पर विशेष रूप से तथा सामान्य रूप से भारतीय इतिहास पर उभरते इतिहास लेखन में विद्यमान अंतराल को समझ सकेंगे। इस कोर्स से विद्यार्थी सिखों की शहादत का अब तक उपेक्षित सामाजिक-धार्मिक इतिहास और सिखों पर विशेष ध्यान देने के साथ भारतीय इतिहास में विकसित होते समाज पर आलोचनात्मक समझ विकसित कर सकेंगे।

कोर्स में यूनिट एक के तहत विद्यार्थियों को सिख धर्म का विकास, मुगल राज्य और समाज- पंजाब, सिख धर्म में शहादत और शहादत की अवधारणा, सिख गुरुओं के अधीन सिख-गुरु नानक देव से गुरु रामदास तक सिख धर्म का ऐतिहासिक संदर्भ पढ़ाया जाएगा। यूनिट दो में शहादत की गाथा के तहत आधिपत्य मुगल राज्य और दमन, गुरु अर्जन देव- जीवन और शहादत, राज्य की नीतियों पर प्रतिक्रियाएँ- गुरु हरगोबिंद से गुरु हरकृष्ण तक, गुरु तेग बहादुर- जीवन और शहादत, भाई मति दास, भाई सती दास, भाई दयाला के संदर्भ पढ़ाए जाएंगे।

यूनिट तीन में गुरु गोबिंद सिंह का जीवन- संत सिपाही, चमकौर की लड़ाई- साहिबजादा अजीत सिंह और साहिबजादा जुझार सिंह की शहादत, छोटे साहिबजादों की शहादत - साहिबजादा जोरावर सिंह और साहिबजादा फतेह सिंह तथा बंदा सिंह बहादुर का उदय- लड़ाई और शहादत पढ़ाया जाएगा। यूनिट चार में अन्य सिख योद्धा, शहीद और भक्ति और वीरता के स्थान के तहत भाई मनी सिंह, बाबा दीप सिंह, भाई बोता सिंह, भाई तारू सिंह और हकीकत राय, माई भागो और बीबी अनूप कौर, श्री हरमंदिर साहिब, आनंदपुर साहिब, सरहिंद, गुरुद्वारा सीस गंज, गुरुद्वारा रकाब गंज, लोहगढ़ किला के बारे में पढ़ाया जाएगा। ट्यूटोरियल के दौरान क्लासरूम शिक्षण को ऐतिहासिक स्थानों की यात्रा और दृश्य संसाधन फिल्मों/वृत्तचित्रों आदि की स्क्रीनिंग के साथ पूरक बनाया जाएगा।

एसईसी में डीयू के विद्यार्थी सीख सकेंगे रेडियो जॉकिंग के गुर

स्किल एन्हांसमेंट कोर्सों (एसईसी) के तहत अब डीयू के विद्यार्थी रेडियो जॉकिंग के गुर भी सीखेंगे। इसमें आवाज़ प्रशिक्षण, उच्चारण, स्टूडियो संचालन और रियल टाइम शो होस्टिंग सहित मॉक स्टूडियो अभ्यास और पेशेवरों के साथ बातचीत जैसे कार्यों का प्रशिक्षण विद्यार्थियों को दिया जाएगा। आवाज़ का वार्म-अप, सांस पर नियंत्रण, पिच, टोन और उच्चारण, माइक्रोफोन, ऑडियो कंसोल, रिकॉर्डिंग सॉफ्टवेयर की मूल बातें, म्यूजिक क्यूरेशन और सेगमेंट प्लानिंग, शो शेड्यूलिंग, लाइव ऑडियंस इंटरैक्शन, स्क्रिप्ट रीडिंग, डिक्शन, इंटोनेशन, एंकरिंग अभ्यास और फीडबैक जैसी बारीकियां सिखाई जाएंगी।

अंडरग्रेजुएट करिकुलम फ्रेमवर्क (यूजीसीएफ) 2022 पर आधारित डीयू के कौशल संवर्द्धन पाठ्यक्रमों (एसईसी) की सूची में रेडियो जॉकिंग सहित कुछ नए कोर्स भी जोड़े जा रहे हैं। अकादमिक परिषद की बैठक में इस आशय के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की गई है। इसके तहत वैक्यूम टेक्नोलॉजी, इको-प्रिंटिंग ऑन टेक्सटाइल, सर्फेस ओर्नामेंटेशन, डिजिटल टूल्स फॉर इंटीरियर डिजाइनिंग, रेडियो जॉकिंग,मेडिकल डायग्नोस्टिक्स, मेथड्स इन एपिडेमिओलोजिकल डाटा एनालिसिस और मेथड्स इन एपिडेमिओलोजिकल डाटा कलेक्शन नामक 8 नए कोर्स भी एसईसी में पढ़ाए जाएंगे।

मुख्यमंत्री ने पीतमपुरा में सड़क, सीवर और स्ट्रीट लाइट्स का किया लोकार्पण

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को पीतमपुरा के वीपी ब्लॉक और सीपी ब्लॉक में नव निर्मित सड़कों और बीयू ब्लॉक में सेंटर पार्क के नजदीक नई सीवर लाइन और स्ट्रीट लाइट्स का लोकार्पण कर उन्हें क्षेत्र की जनता को समर्पित किया।

मुख्यमंत्री ने इस मौके पर कहा कि आज विकास सिर्फ आंकड़ों में नहीं, बल्कि लोगों के दैनिक जीवन में अनुभव किया जाता है। चाहे वो बरसात के मौसम में जलजमाव से राहत हो या रात के समय बेटियों की सुरक्षित आवाजाही, हर पहल इस भावना से जुड़ी है कि सुविधाएं अब दिल्लीवासियों का अधिकार है। दिल्ली में अब विकास का मतलब हर दरवाजे तक रोशनी, हर सड़क तक सुविधा और हर चेहरे पर विश्वास है।

उन्होंने कहा कि ये सुगम आवागमन, प्रभावी जल निकासी और रात्रिकालीन सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में एक सशक्त और संवेदनशील पहल है। हर कॉलोनी की जरूरत को समझना, हर समस्या का स्थायी समाधान खोजना और हर नागरिक को एक सुविधाजनक, सुरक्षित जीवन देना दिल्ली सरकार की प्राथमिकता है।

नशे के खिलाफ लड़ाई में जनसहयोग जरूरी : मंत्री रविंद्र इंद्राज

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के समाज कल्याण मंत्री रविंद्र इंद्राज सिंह ने शनिवार को उत्तर-पश्चिम दिल्ली स्थित बवाना क्षेत्र की जेजे कॉलोनी का दौरा करते हुए जन सुनवाई की। इस दौरान उन्होंने नशे के खिलाफ लड़ाई में जनसहयोग की अपील की। मंत्री ने एक बयान में कहा कि नशे की लत किसी भी व्यक्ति को केवल शारीरिक और मानसिक रूप से ही नहीं, बल्कि सामाजिक रूप से भी कमजोर बना देती है। उन्होंने कहा कि नशा न केवल व्यक्ति को परिवार से दूर करता है, बल्कि समाज में उसकी प्रतिष्ठा भी समाप्त कर देता है। अगर कोई व्यक्ति अपनी मेहनत की कमाई नशे में गंवा देगा तो बच्चों की पढ़ाई-लिखाई और भविष्य पर गंभीर असर पड़ेगा। समाज कल्याण मंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में राज्य को नशामुक्त बनाने के लिए पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है। नशे की समस्या को जड़ से समाप्त करने के लिए दिल्ली सरकार हर संभव प्रयास कर रही है और विभागीय समन्वय से इस दिशा में निरंतर ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। जन सुनवाई के दौरान स्थानीय निवासियों ने पानी की नई लाइन बिछाने, सड़कों और नालियों के निर्माण एवं नियमित सफाई, पार्कों के सौंदर्यीकरण को लेकर चर्चा की और अपने सुझाव दिए। समाज कल्याण मंत्री ने मौके पर उपस्थित संबंधित विभागों के अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि बवाना कॉलोनी में जल्द से जल्द बुनियादी सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं। उन्होंने कहा कि सड़कों की मरम्मत, नियमित सफाई व्यवस्था और पीने के पानी की उपलब्धता पर प्राथमिकता से काम किया जाए। मंत्री रविंद्र इंद्राज ने कहा कि सभी झुग्गी-बस्तियों और कॉलोनियों का समग्र विकास सरकार की प्राथमिकता है। जनसहयोग से दिल्ली को विकसित दिल्ली बनाना है।

स्वामी विवेकानंद के विचार आज भी भारत की चेतना के प्रेरणा स्रोत: विजेंद्र गुप्ता

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने स्वामी विवेकानंद की पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में शनिवार को आयोजित कार्यक्रम में उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस मौके पर उन्होंने कहा कि भारत की युवा शक्ति को आत्मनिर्भरता, आत्मविश्वास और सेवा-भाव की ओर प्रेरित करने वाले स्वामी विवेकानंद केवल एक संत नहीं, बल्कि भारत के सांस्कृतिक पुनर्जागरण के अग्रदूत रहे। यह कार्यक्रम रोहिणी सेक्टर-8 स्थित विवेकानंद वरिष्ठ नागरिक फोरम द्वारा आयोजित किया गया।

विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि स्वामी विवेकानंद का जीवन और दर्शन आज के भारत के लिए पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक हो गया है। जब हम आत्मनिर्भर भारत, युवाशक्ति के उत्थान और वैश्विक मंच पर भारत की भूमिका को लेकर सजग हैं, तब विवेकानंद के विचार हमें आत्मबल, राष्ट्रभक्ति और सार्वभौमिक मानवता के मूल्यों की ओर लौटने का संदेश देते हैंद्य

गुप्ता ने कहा कि विवेकानंद का संदेश केवल धार्मिक या आध्यात्मिक नहीं था, बल्कि सामाजिक न्याय, शिक्षा और राष्ट्रनिर्माण के लिए एक ठोस दृष्टिकोण भी प्रदान करता है। उनकी दृष्टि में युवा केवल शारीरिक रूप से सशक्त नहीं, बल्कि नैतिक रूप से दृढ़ और मानसिक रूप से प्रबुद्ध होना चाहिए। यह आज के समाज के लिए अत्यंत आवश्यक है।

विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि स्वामी विवेकानंद की शिक्षाएं केवल अतीत की धरोहर नहीं, बल्कि वर्तमान और भविष्य की दिशा तय करने वाली प्रेरक शक्ति हैं। आज के समय में, जब युवा पीढ़ी अनेक सामाजिक, नैतिक और वैचारिक चुनौतियों का सामना कर रही है, तब विवेकानंद के विचार उन्हें न केवल आत्मबल और आत्मविश्वास प्रदान करते हैं, बल्कि देशभक्ति, सेवा और नेतृत्व जैसे मूल्यों को जीवन में उतारने की प्रेरणा भी देते हैं।

पार्टी किसी भी चुनौती के लिए तैयार: कांग्रेस

-कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण देने के लिए कांग्रेस ने की शिविर शुरुआत

नई दिल्ली (एजेंसी)। संगठन सृजन अभियान के तहत ब्लॉक स्तर पर मंडलम और सेक्टर का गठन करके जमीन पर कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण देने के लिए दिल्ली कांग्रेस ने शनिवार से बाबरपुर जिला कांग्रेस प्रशिक्षण शिविर आयोजन करके जिलों में शुरुआत की। कांग्रेस दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने बताया कि अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के सहयोग से शुरु किए गए प्रशिक्षण शिविर तीन सेशन में होंगे। प्रशिक्षण शिविर में कांग्रेस का विजन, कांग्रेस के स्वर्णिम इतिहास और दूसरे सेशन में बूथ, मंडलम, ब्लॉक अध्यक्ष, जिला पदाधिकारियों की जिम्मेदारियों और तीसरे सेशन में चुनाव के समय पार्टी और कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारियों और कार्यशैली पर विस्तार से चर्चा हुई।

बाबरपुर जिला अध्यक्ष राजकुमार जैन द्वारा आयोजित कांग्रेस प्रशिक्षण शिविर की शुरुआत देवेंद्र यादव ने ध्वजारोहण करके की और मौजूद सेवादल कार्यकर्ताओं द्वारा राष्ट्रगान वंदेमातरम का गायन भी किया गया। इस अवसर पर पार्टी के दिल्ली प्रभारी काजी निजामुद्दीन भी मौजूद थे। यादव ने कहा कि संगठन सृजन अभियान का पहला पड़ाव दिल्ली के प्रभारी काजी निजामुद्दीन के नेतृत्व में सफलता के साथ पूरा किया और दूसरे पड़ाव में उनके निर्देशानुसार संगठन सृजन अभियान के तहत सभी जिलों में कांग्रेस प्रशिक्षण शिविर की शुरुआत

आज से हुई है। संगठन सृजन अभियान के तहत प्रदेश अध्यक्ष ने लोकसभा और जिला आब्जर्वरों ने जिस तरह जमीनी स्तर तक पहुंचकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं और कांग्रेस की विचारधारा में विश्वास रखने वाले लोगों से मिलकर पार्टी को संगठित करने का काम किया उससे संगठन को मजबूती मिली है।

देवेन्द्र यादव ने कहा कि कांग्रेस एक राजनीतिक पार्टी है और चुनाव एक महत्वपूर्ण पहलू है। आज देश में ऐसा माहौल है कि संवैधानिक संस्थाओं के उपर पूरी तरह से एक पार्टी, सरकार का कब्जा हो गया है। ऐसी स्थिति में चुनाव से पहले, चुनाव के दिन और चुनाव के बाद कांग्रेस के सिपाहियों की भूमिका और जिम्मेदारी बढ़ जाती है। यहां से जाकर हमें बहुत सारी उम्मीदें होंगी अलग-अलग चर्चा भी करेंगे। लेकिन हमें संगठित होकर चर्चा करने की जरुरत है। पब्लिक मंच पर, फोरम पर, अलग-अलग प्लेटफॉर्म पर हमें कांग्रेस के स्वर्णिम इतिहास, देश को जो दिशा कांग्रेस ने दी है, उसकी चर्चा और कांग्रेस के विजन पर चर्चा करनी है। उन्होंने कहा कि सही दिशा में काम करके हमें मिलकर परिस्थितियों का सामना कैसे करना है इसकी रुपरेखा भी बनानी होगी।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि बाबरपुर जिला कांग्रेस के कांग्रेस प्रशिक्षण शिविर में सभी जिला कांग्रेस कमेटियों के अध्यक्ष भी मौजूद है, ताकि आने वाले समय में अपने जिला में कांग्रेस प्रशिक्षण शिविर का आयोजन परम्परागत कांग्रेस विचारधारा के अनुसार कर सकें। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण शिविर में शामिल होने के बाद यहां से प्रशिक्षण लेकर कार्यकर्ता कांग्रेस के इतिहास, परम्परा, आदर्शों और विचारधारा के साथ बेहतर देश और समाज का निर्माण करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने में योगदान देंगे। देवेंद्र यादव ने कहा कि जिला प्रशिक्षण शिविरों में प्रशिक्षण लेने वाले कांग्रेस कार्यकर्ता आगामी ब्लॉक कांग्रेस कमेटी में आयोजित होने वाले संगठन सृजन अभियान के तहत आयोजित होने वाले प्रशिक्षण शिविरों में प्रशिक्षण देने का काम करेंगे।

सिरसा ने की राजौरी गार्डन क्षेत्र में सड़कों के निर्माण कार्य की शुरूआत

नई दिल्ली (एजेंसी)। पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने शनिवार को अपने निर्वाचन क्षेत्र राजौरी गार्डन में सड़कों के नव निर्माण कार्य की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि यह सभी विकास कार्य मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के मजबूत नेतृत्व का परिणाम है। उनके सहयोग और मार्गदर्शन से ही आज विकसित दिल्ली का संकल्प पूरा हो रहा है और नागरिकों को बेहतर सुविधाएं मिल रही हैं। सिरसा ने इस दौरान पत्रकारों से कहा कि इलाके में भाजपा सरकार नए कामों की शुरूआत कर रही है और अब तक पांच करोड़ रुपये के कामों की शुरूआत हो चुकी है। उन्होंने पिछली सरकार पर यहां विकास न करने का भी आरोप लगाया है। मंत्री सिरसा ने इलाके में अवैध रूप से चल रही फैक्टरियों और कच्चे मांस की दुकानों पर सख्त कार्रवाई करने के आदेश दिए हैं। उन्होंने कहा कि रिहायशी इलाके में ऐसी गतिविधियां बर्दाश्त नहीं की जाएंगी। उन्होंने कहा कि रोहिंगिया, बांग्लादेशी या जिन लोगों ने यहां आकर गुंडागर्दी मचा रखी है उसके खिलाफ सरकार सख्त कार्रवाई कर रही है। क्षेत्र में किसी भी प्रकार की गुंडागर्दी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। राजौरी गार्डन को एक आदर्श विधानसभा क्षेत्र बनाने तक यहां विकास के काम जारी रहेंगे।

अजय देवगन और मेरे बीच फिल्मों को लेकर कभी झगड़ा नहीं हुआ

बॉलीवुड एक्ट्रेस काजोल ने अपने पति अजय देवगन के साथ काम करने के अनुभव के बारे में आईएएनएस से बात की। उन्होंने कहा कि जब भी वे फिल्मों को लेकर साथ काम करते हैं, तो उनके बीच कभी कोई लड़ाई या झगड़ा नहीं होता। इंटरव्यू में काजोल ने बताया कि दोनों के बीच एक-दूसरे के लिए बहुत इज्जत और समझदारी है, चाहे वो काम से जुड़ी बात हो या घर की। वह अजय के वित्तीय फैसलों में दखल नहीं देतीं, क्योंकि उन्हें भरोसा है कि अजय के पास इस काम के लिए बेहतर सलाहकार हैं।

काजोल ने कहा, पैसों के मामलों में अजय के पास सलाह देने वाले कई लोग हैं, जो उन्हें बताते हैं कि क्या करना है और क्या नहीं। मैं उस मामले में दखल नहीं देती। जहां तक फिल्म मां का सवाल है, तो हां, हमने इस पर काफी लंबी बातचीत की थी। हमें फिल्म का क्लाइमेक्स भी फिर से शूट करना पड़ा, क्योंकि उसमें वीएफएक्स और एक्शन जैसे कुछ काम बाकी थे। कुल मिलाकर हम दोनों की सोच इस फिल्म को लेकर मिलती-जुलती रही। हमारे बीच कोई बड़ी बहस या झगड़ा नहीं हुआ। काजोल ने अजय देवगन के प्रोड्यूसर बनने के सफर के बारे में बात करते हुए कहा, वह बहुत ही अच्छे प्रोड्यूसर हैं। स्क्रिप्ट से लेकर वीएफएक्स तक, वह हर चीज में खुद शामिल रहते हैं। यहां तक कि फिल्म की मार्केटिंग भी उन्होंने अपनी देखरेख में की। वह ध्यान रखते हैं कि सब कुछ अच्छे से हो और सही तरीके से काम हो। मैं कह सकती हूं कि वह एक बेहतरीन प्रोड्यूसर हैं।

काजोल ने कहा, मैं मानती हूं कि अजय एक ऐसे प्रोड्यूसर हैं, जो साफ सोच रखते हैं और सुनिश्चित करते हैं कि उनकी कंपनी से जो भी फिल्म निकले, वो अच्छी हो, ऐसी हो जिस पर वह गर्व कर सकें और कह सकें कि यह उनकी फिल्म है। कई बार पैसे बचाने के लिए क्वालिटी से समझौता करना आसान होता है, लेकिन अजय ने कभी ऐसा नहीं किया। एक प्रोड्यूसर के तौर पर यह बहुत बड़ी बात है। इसके लिए मैं उनकी तारीफ करती हूं।

शनाया कपूर के लिए विक्रांत को-स्टार ही नहीं मेंटर भी

शनाया कपूर अपनी अपकमिंग फिल्म आखों की गुस्ताखियां के प्रमोशन में जुटी हैं। उनके अपोजिट विक्रांत मैसी हैं। इस फिल्म से डेब्यू को तैयार अभिनेत्री ने कहा कि अपने को-स्टार से उन्होंने बहुत कुछ सीखा। शनाया कपूर ने बातचीत के दौरान विक्रांत मैसी के साथ काम करने के अनुभव को साझा करते हुए बताया कि, विक्रांत का स्वभाव बहुत अच्छा है, वो मदद को तैयार रहते हैं। उनके इस नेचर ने मुझे सेट पर काफी सहज महसूस कराया। वह सेट पर मेरे को-स्टार होने के साथ-साथ मेंटर भी थे, जिसने मुझे एक कलाकार के रूप में आगे बढ़ने में मदद की।

अभिनेत्री ने आगे बताया कि, मुझे लगता है कि पहली चीज जो मैंने उनसे सीखी है वह यह है कि एक इंसान के तौर पर वह बहुत उदार हैं, जो उनके काम में भी दिखता है, और मुझे लगता है कि यह बहुत बड़ी बात है, क्योंकि वह सच में एक समर्पित अभिनेता हैं। एक अभिनेता के तौर पर हम बस अपनी लाइन, किरदार और कॉस्ट्यूम के बारे में सोचते रहते हैं।

मैंने एक अभिनेता के तौर पर सीखा कि सबसे पहले आपको एक समर्पित अभिनेता बनना पड़ेगा और पूरे सीन के बारे में सोचना पड़ेगा। आप बस अपने बारे में नहीं सोच सकते हैं। लेकिन इससे भी अच्छी जो उनकी खासियत थी, वह यह कि उन्होंने मुझे सेट पर सहज महसूस करवाया। उन्होंने सेट पर कभी मुझे यह महसूस नहीं होने दिया कि मैं नई कलाकार हूं, और यह एक अनुभवी अभिनेता की निशानी है यह अविश्वसनीय है क्योंकि उन्हें मेरे लिए ऐसा करने की जरूरत नहीं थी, लेकिन उन्होंने ऐसा किया।

अभिनेत्री ने याद करते हुए बताया कि कैसे विक्रांत अक्सर सीन पर उनसे इनपुट मांगते थे, जैसे कि, तुम मुझे भी बताओ, तुम्हें कैसा लग रहा है? तुम्हें क्या लगता है? क्या हमें इसे इस तरह से करना चाहिए या उस तरह से? अभिनेत्री ने प्रशंसा की कि एक नए व्यक्ति के लिए, ऐसा माहौल आश्चर्यजनक और आरामदायक दोनों था।

मुझे प्रभावित करती है केके मेनन की शैली

मोस्टअवेटेड जासूसी-थ्रिलर स्पेशल ऑप्स 2, 11 जुलाई से जियो हॉटस्टार पर स्ट्रीम होने वाली है। इस सीरीज में एक्टर ताहिर राज भसीन खलनायक की भूमिका में नजर आएंगे। ताहिर ने अपने को-एक्टर केके मेनन के साथ काम करने के अनुभव को साझा किया और बताया कि उनसे काफी कुछ सीखने को मिला।

ताहिर ने केके मेनन के साथ एक्टिंग को एक बड़ी उपलब्धि और चुनौती बताया। उन्होंने कहा, केके मेनन जैसे दिग्गज एक्टर के सामने काम करना मेरे लिए सम्मान की बात है। मैंने उनके हीरो और विलेन दोनों किरदारों को देखकर बहुत कुछ सीखा है।

हिम्मत सिंह के रूप में उनकी एक्टिंग, गंभीरता दर्शकों को बेहद पसंद है। हालांकि, मेरा किरदार ऐसा है, जो कहानी में तनाव को और बढ़ाता है, जिसमें सहजता और चतुराई दोनों का तड़का है। ताहिर ने मेनन से मिली सीख का जिक्र करते हुए कहा, केके सर से मैंने सेट पर और बाहर दोनों जगह बहुत कुछ सीखा। उनकी धैर्यपूर्ण और सादगी भरी शैली मुझे बहुत प्रभावित करती है। जिंदगी के अनुभवों से भरी बातचीत से बहुत कुछ सीखने को मिलता है। स्पेशल ऑप्स 2 में केके मेनन एक बार फिर अधिकारी हिम्मत सिंह की भूमिका में दिखेंगे। इस बार हिम्मत एक ऐसी जंग लड़ते हैं, जो दिखाई नहीं देती। मेनन ने अपने किरदार के बारे में कहा, हिम्मत सिंह हमेशा बुद्धि, साहस और जज्बे के साथ लड़ता है। इस बार चुनौती और भी जटिल है। यह सीजन न केवल देश की सुरक्षा के मुद्दों को उठाता है, बल्कि हिम्मत के निजी जीवन, एक पिता और देशभक्त की भावनाओं को भी उजागर करता है। शिवम नायर के निर्देशन में तैयार इस सीरीज में ताहिर राज भसीन, केके मेनन के साथ एक्टर प्रकाश राज, विनय पाठक, सयामी खेर, इब्राहिम, गौतमी कपूर, परमीत सेठी और काली प्रसाद मुखर्जी जैसे कलाकार भी अहम किरदारों में हैं। स्पेशल ऑप्स 2 साइबर और राष्ट्रीय सुरक्षा की पृष्ठभूमि में एक रोमांचक कहानी पेश करती है। सीरीज का प्रीमियर 11 जुलाई से जियो हॉटस्टार पर होगा।

दीपिका को मिला हॉलीवुड वॉक ऑफ फेम सम्मान

दीपिका पादुकोण को 2026 हॉलीवुड वॉक ऑफ फेम सम्मान के लिए चुना गया है। यह सम्मान पाने वाली वो पहली भारतीय हैं। हॉलीवुड वॉक ऑफ फेम सम्मान मिलने के बाद दीपिका ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी में इसे लेकर रिएक्शन दिया है। उन्होंने ने अपनी स्टोरी में इसके लिए आभार जताया है। हॉलीवुड वॉक ऑफ फेम को मैनेज करने वाली आधिकारिक संगठन 'हॉलीवुड चैंबर ऑफ कॉमर्स' की तरफ से 2 जुलाई को इंस्टाग्राम पर यह खबर शेयर की गई है। उन्होंने अपने पोस्ट में लिखा- 'मोशन पिक्चर्स, टेलीविजन, लाइव थियेटर/लाइव परफॉरमेंस, रेडियो, रिकॉर्डिंग और स्पोर्ट्स एंटरटेनमेंट कैटेगरी में एंटरटेनमेंट प्रोफेशनल के एक नए ग्रुप को हॉलीवुड चैंबर ऑफ कॉमर्स के वॉक ऑफ फेम चयन पैनल द्वारा हॉलीवुड वॉक ऑफ फेम पर स्टार प्राप्त करने के लिए चुना गया है। हमें 2026 के वॉक ऑफ फेम क्लास में आपका स्वागत करते हुए गर्व हो रहा है!' इसके साथ ही उन्होंने हर कैटेगरी के लिए चुन गए आर्टिस्ट का नाम शेयर किया है। दीपिका को मोशन पिक्चर्स कैटेगरी में सम्मान के लिए चुना गया है। इस लिस्ट में दीपिका के अलावा टिमोथी चालमेट, रेचल मैकएडम्स, डेमी मूर, स्टेनली टुची, रामी मालेक और एमिली ब्लंट जैसे इंटरनेशनल आर्टिस्ट शामिल हैं। हॉलीवुड वॉक ऑफ फेम कैलिफोर्निया का फेमस टूरिस्ट लोकेशन है।

प्रियंका ने 'हेड्स ऑफ स्टेट' के प्रीमियर पर काम को लेकर की बात

प्रियंका चोपड़ा जोनस ने अपनी नई फिल्म हेड्स ऑफ स्टेट के लंदन प्रीमियर में रेड कार्पेट पर शानदार मौजूदगी दर्ज की। उन्होंने बताया कि वह ऐसी भूमिकाएं चुनती हैं, जो हल्की न हों, बल्कि कहानी को आगे बढ़ाएं। एक इंटरव्यू के दौरान, प्रियंका चोपड़ा ने कहा, मैं अपने काम पर गर्व करना चाहती हूं।

इस फिल्म में वह नोएल बिसेट नाम की एक तेज-तर्रार MI6 एजेंट की भूमिका में हैं, जो हमेशा दस कदम आगे सोचती है। उन्होंने बताया कि उन्हें ऐसी महिलाओं के किरदार निभाना पसंद है, जो कहानी का हिस्सा बनें, न कि सिर्फ सजावट हों। इस एक्शन-कॉमेडी फिल्म में उनकी बुद्धिमानी, कॉमेडी और एक्शन का शानदार मिश्रण देखने को मिलता है।

फिल्म और सह-कलाकार

इल्या नैशुल्लर द्वारा निर्देशित इस फिल्म में इदरीस एल्बा और जॉन सीना जैसे बड़े सितारे हैं, जो विश्व नेताओं की भूमिका में हैं, जबकि प्रियंका की किरदार कहानी को जोड़े रखती है। फिल्म में पैडी कॉन्सिडाइन, कार्ला गुगिनो और जैक क्वैड जैसे कलाकार भी हैं। प्रीमियर में प्रियंका के पति निक जोनस के अलावा कई सेलेब्स ने शिरकत की।

प्रियंका की सलाह

प्रियंका ने अपने अनुभव शेयर करते हुए कहा, अभ्यास से ही पूर्णता आती है। असफलता मिले तो हार मत मानो। उन्होंने सलाह दी कि अपने लक्ष्यों पर ध्यान दो और नकारात्मक लोगों की बातों को नजरअंदाज करो। जो लोग आपसे प्यार करते हैं, उन पर ध्यान दो, बाकी लोग मायने नहीं रखते।

रणबीर के साथ 'रामायण' में मुख्य किरदार निभा रहे हैं रवि दुबे

रणबीर कपूर की आगामी फिल्म 'रामायण' आने वाली बॉलीवुड की मोस्ट अवेटेड फिल्मों में से एक है। इस फिल्म का दर्शक बड़ी ही बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। अब 'रामायण' की पहली झलक कल यानी 3 जुलाई को आने वाली है। इसको लेकर जबरदस्त बज बना हुआ है। उम्मीद है कि इस दिन फिल्म से राम और रावण के लुक सामने आ सकते हैं। भारी भरकम स्टारकास्ट वाली इस फिल्म में रणबीर कपूर राम, साई पल्लवी सीता और यश रावण के किरदार में नजर आएंगे। इसके अलावा सनी देओल हनुमान और रवि दुबे लक्ष्मण का किरदार निभा रहे हैं। क्या आप जानते हैं कि सुपरस्टार्स से भरी इस फिल्म में लक्ष्मण का किरदार निभाने वाले रवि दुबे कौन हैं? हाल ही में रामायण के सेट से एक वीडियो वायरल हुआ था जिसमें रणबीर कपूर रवि दुबे को गले लगाते दिखे थे। ये वीडियो फिल्म की शूटिंग पूरी होने के बाद का बताया जाता है। आइए जानते हैं लक्ष्मण का किरदार निभाने वाले रवि दुबे के बारे में।

टेलीकॉम इंजीनियरिंग में हासिल की डिग्री

रवि दुबे का जन्म उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में 23 दिसंबर 1983 को हुआ था। रवि के पिता एक सिविल इंजीनियर हैं। हालांकि, रवि दुबे के जन्म के बाद ही उनका परिवार दिल्ली चला आया था। रवि दुबे ने मुंबई के राजीव गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से टेलीकॉम इंजीनियरिंग की डिग्री हासिल की है। कॉलेज के दिनों में ही शुरू की मॉडलिंग रवि दुबे ने अपने करियर की शुरुआत मॉडलिंग से की। उन्होंने अपने कॉलेज के दौरान ही मॉडलिंग शुरू कर दी थी।

टीवी से की करियर की शुरुआत

इसके बाद उन्होंने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत साल 2006 में आए डीडी नेशनल के शो 'स्त्री तेरी कहानी' से की। इस शो को दिलीप कुमार और सायरा बानो ने प्रोड्यूस किया था। इसके बाद रवि 'यहां के हम सिकंदर', 'रणबीर रानी', '12/24 करोल बाग' और 'सास बिना ससुराल' जैसे कई डेली सोप में नजर आए। हालांकि, रवि को टीवी सीरियल्स की दुनिया में सफलता 2014 में आए डेली सोप 'जमाई राजा' से मिली। इसके बाद वो कई विज्ञापनों में नजर आए। यही नहीं रवि ने एक्टिंग में अपना पहला ब्रेक मिलने से पहले ही अलग-अलग ब्राड्स के लिए तकरीबन 40 से ज्यादा विज्ञापन कर लिए थे।

कई रियलटी शो में आए नजर और किए होस्ट

कई डेली सोप में काम करने के बाद रवि कई रियलटी शो में भी नजर आए। इनमें 'कॉमेडी सर्कस', 'कहानी कॉमेडी सर्कस की', 'नच बलिये 5', 'फियर फैक्टर खतरों के खिलाड़ी', 'लिप सिंग बैटल' जैसे रियलटी शो शामिल हैं। नच बलिये में रवि सरगुन मेहता के साथ नजर आए थे। जो अब उनकी पत्नी हैं। इसके बाद रवि ने कई रियलटी शोज को होस्ट भी किया। इनमें इंडियाज डांसिंग सुपरस्टार, फैशन का जलवा, सबसे स्मार्ट कौन और सा रे गा मा लिटिल चैंप्स शामिल हैं। सरगुन मेहता से की शादी, बाद में साथ मिलकर खोला खुद का प्रोडक्शन हाउस अगर पर्सनल लाइफ की बात करें तो रवि दुबे ने साल 2013 में अभिनेत्री सरगुन मेहता से शादी कर ली। रवि ने सरगुन को रियलटी शो में ही प्रपोज किया था। 2019 में रवि दुबे ने पत्नी सरगुन के साथ ईमियाता एंटरटेनमेंट के नाम से अपना खुद का प्रोडक्शन हाउस शुरू किया। जिसके अंतर्गत उन्होंने कई पंजाबी फिल्में, म्यूजिक एल्बम और सिंगल सॉन्ग प्रोड्यूस किए हैं।

रवि दुबे ने फिल्मों में अपनी शुरुआत साल 2011 में आई फिल्म 'यू आर माय जान' से की थी। इस फिल्म में रवि छोटी सी भूमिका में नजर आए थे। इस फिल्म को अभिनेता अरुण गोविल ने डायरेक्ट और प्रोड्यूस किया था। हालांकि, रवि दुबे को पहचान टीवी शो 'जमाई राजा' और रियलटी शोज से ही मिली। इसके अलावा उनके अभिनय की तारीफ 2021 में 'मत्स्य कांड' में काफी हुई थी। इसमें पीयूष मिश्रा और रवि किशन जैसे अभिनातओं के सामने रवि ने अपनी एक्टिंग की छाप छोड़ी थी। इसके अलावा रवि कुछ एक और वेब सीरीज में भी नजर आए हैं। साथ ही 'वे हानिया' जैसे सुपरहिट सिंगल सॉन्ग में भी रवि दुबे दिखाई दिए हैं।

'रामायण' से बदलेगा रवि का करियर !

अब 'रामायण' में लक्ष्मण के किरदार निभाना रवि दुबे के करियर के लिए टर्निंग प्वाइंट हो सकता है। क्योंकि नितेश तिवारी द्वारा निर्देशित इस फिल्म में एक से बढ़कर एक दिग्गज सुपरस्टार नजर आने वाले हैं। वहीं इस फिल्म को लेकर जबरदस्त बज क्रिएट है और ये भारतीय सिनेमा की एक बड़ी फिल्म बन सकती है।

रूस ने अफगानिस्तान में तालिबान सरकार को मान्यता दी

ऐसा करने वाला दुनिया का पहला देश, तालिबान ने फैसले को बहादुरी भरा बताया

काबुल/मॉस्को, एजेंसी। अफगानिस्तान में तालिबान की सत्ता को रूस ने आधिकारिक मान्यता दे दी है। ऐसा करने वाला रूस दुनिया का पहला देश बन गया है। यह घोषणा गुरुवार को काबुल में अफगान विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी और अफगानिस्तान में रूस के राजदूत दिमित्री झिरनोव के बीच हुई बैठक के बाद की गई। तालिबान सरकार ने रूस के इस कदम को बहादुरी भरा फैसला बताया है। मुत्ताकी ने बैठक के बाद जारी एक वीडियो बयान में कहा, यह साहसी फैसला दूसरों के लिए एक मिसाल बनेगा। अब मान्यता की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है, रूस सबसे आगे रहा। तालिबान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता जिया अहमद तकाल ने भी खबर को पुष्टि करते हुए कहा कि रूस पहला देश है जिसने इस्लामिक अमीरात को आधिकारिक मान्यता दी है।

रूस बोला- मान्यता देने से द्विपक्षीय सहयोग तेजी से बढ़ेगा : रूस के अफगानिस्तान मामलों के विशेष प्रतिनिधि जामिर काबुलोव ने रिया नोवोस्ती ने तालिबान सरकार को मान्यता देने की पुष्टि की। रूसी विदेश मंत्रालय ने भी बयान जारी कर कहा कि इस्लामिक अमीरात की सरकार को मान्यता देने से दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय सहयोग तेजी से बढ़ेगा। चीन, पाकिस्तान और ईरान जैसे कई देशों ने अपने-अपने यहां तालिबान राजनयिकों को तैनात कर रखा है,

लेकिन अभी तक किसी ने भी तालिबान शासन को आधिकारिक मान्यता नहीं दी थी।

आधिकारिक मान्यता मिलने के मायने क्या? : जब एक देश दूसरे देश को आधिकारिक मान्यता देता है, तो वह उसे एक स्वतंत्र राष्ट्र मानता है। यानी उस देश की अपनी सरकार है, अपनी सीमा है और वह दुनिया के दूसरे देशों से रिश्ते बना सकता है। यह मान्यता 1933 की मोंटेवीडियो संधि जैसे अंतरराष्ट्रीय कानूनों पर आधारित होती है। इसके लिए चार शर्तें होती हैं, स्थायी आबादी, सीमा, सरकार और विदेशों से संबंध बनाने की क्षमता। मान्यता मिलने से किसी देश को वैधता, अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं में जगह और दूसरे देशों से व्यापार व रिश्ते बनाने का मौका मिलता है।

2021 में सत्ता पर काबिज हुआ था तालिबान : तालिबान ने 15 अगस्त 2021 को काबुल के साथ ही पूरे अफगानिस्तान पर कब्जा कर लिया था। अमेरिका और भारत समेत अब तक किसी भी देश में तालिबान को अफगानिस्तान की सरकार के तौर पर मान्यता नहीं दी है। अफगानिस्तान लगातार दुनिया से उसे मान्यता देने की मांग करता रहा है। तालिबान के कार्यकारी रक्षा मंत्री मुल्लाह मोहम्मद याकूब मुजाहिद ने एक इंटरव्यू में कहा था कि सरकार ने मान्यता हासिल करने के लिए सारी जरूरतों को पूरा किया है। इसके बावजूद अमेरिका के दबाव में आकर दूसरे देश हमें मान्यता नहीं दे रहे हैं।

रूस ने 2003 में आतंकवादी संगठन घोषित किया था : तालिबान की स्थापना 1994 में अफगानिस्तान के कंधार शहर में हुई थी। यह संगठन उन गुटों में शामिल था, जो 1989 में सोवियत सेना की वापसी के बाद अफगानिस्तान में सत्ता के लिए चल रहे गृहयुद्ध में शामिल थे। तालिबान के ज्यादातर सदस्य वही मुजाहिद्दीन थे, जिन्होंने अमेरिका की मदद से नौ साल तक सोवियत संघ के खिलाफ युद्ध लड़ा और उसे पीछे हटने पर मजबूर कर दिया। इस सहयोग की वजह से तालिबान को शुरुआत में अमेरिका का समर्थन भी मिला।

हालांकि, 1990 के दशक के अंत तक तालिबान की छवि बदलने लगी। 1999 में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने एक प्रस्ताव पारित किया, जिसमें कहा गया कि तालिबान दुनियाभर के आतंकी संगठनों को शरण और प्रशिक्षण दे रहा है। इसी के कुछ महीनों बाद रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूएन के इस प्रस्ताव को स्वीकार करते हुए तालिबान पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा की।

2003 में रूस की सुप्रीम कोर्ट ने तालिबान को आधिकारिक रूप से एक आतंकी संगठन घोषित कर दिया। रूस ने आरोप लगाया कि तालिबान के चेचन्या में सक्रिय अवैध संगठनों से संबंध हैं और वह मध्य एशिया के देशों उज्बेकिस्तान, ताजिकिस्तान और किर्गिस्तान में अस्थिरता फैलाने की कोशिश कर रहा है। इसके बावजूद, 2017 में रूस ने कूटनीतिक पहल करते हुए अफगानिस्तान की तत्कालीन सरकार और तालिबान के बीच बातचीत की कोशिश की थी, ताकि देश में शांति स्थापित हो सके।

कैसे होगा समझौता? गाजा में दो दिन में 300 लोगों की मौत, इजरायल के 26 हमले

तेल अवीव, एजेंसी। अमेरिका की ओर से इजरायल पर हमास के साथ समझौते के लिए दबाव बनाया जा रहा है। हमास भी कह रहा है कि सीजफायर कर लिया जाए। इसके साथ ही जंग को भी पूरी तरह समाप्त कर दिया जाए। लेकिन यह कैसे हो पाएगा? यह सवाल अब भी खड़ा है। इसकी वजह यह है कि इजरायल लगातार गाजा पर हमले कर रहा है। बीते दिनों में इजरायल ने ताबड़तोड़ 26 हमले गाजा पर किए हैं, जिनमें 300 लोग मारे गए हैं। अल जजीरा का दावा है कि इनमें 48 लोग तो ऐसे हैं, जो राहत सामग्री के इंतजार में खड़े थे और इसी दौरान हुए हमले में मारे गए।

शुक्रवार सुबह से ही 73 लोग मारे जा चुके हैं। यही नहीं कुछ हमलों में गाजा ह्यूमनटैरियन फाउंडेशन को भी निशाना बनाया गया, जिसे अमेरिका का भी समर्थन है। एक स्कूल में इमारत में शरण लिए अहमद मंसूर ने इन हमलों को लेकर बताया, हम सुबह उठे तो इजरायल के तेज हमले जारी थे। ऐसा लगा कि जैसे भूकंप ही आ गया है। लोगों का कहना था कि यह शायद ड्रोन अटैक है और फिर दूसरा हमला कहीं ज्यादा तेज था। मिसाइलें बहुत खतरनाक थीं और जहां भी गिरीं वहां सब कुछ खाक हो गया। खतरनाक आग लग रही थी। ऐसे भी कई लोग थे, जो इन हमलों की आग में झुलस गए और घंटों तक तड़पते रहे।इसके अलावा एक टेंट में हुए हमले में 13 लोग मारे गए थे, जो दक्षिण गाजा के अल-मवासी में ठहरे हुए थे। यही नहीं मुस्तफा हाफिज स्कूल में भी 16 लोगों की मौत हो गई। यहां पर बड़ी संख्या में गाजा पश्चिम से आए शरणार्थी ठहरे हुए हैं। बता दें कि अमेरिका ने इजरायल को सलाह दी है कि वह 60 दिनों का सीजफायर हमास के साथ कर ले।

डोनाल्ड ट्रंप की बड़ी जीत, 'वन बिग ब्यूटीफुल बिल' अमेरिकी संसद से हुआ पास

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का चर्चित 'वन बिग ब्यूटीफुल बिल' गुरुवार देर रात पास हो गया. ट्रंप के इस महत्वाकांक्षी विधेयक को देश की संसद से अंतिम मंजूरी मिल गई है. 'वन बिग ब्यूटीफुल बिल' हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स से 218-214 के अंतर से पास हो गया है. 218 सांसदों ने बिल का समर्थन किया वहीं 214 सांसदों ने इस विधेयक के खिलाफ वोट डाले. सदन ने जैसे ही इस टैक्स विधेयक को अंतिम मंजूरी दी, बिल को हस्ताक्षर के लिए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पास भेज दिया गया. इस बिल का पास होना ट्रंप के दूसरे कार्यकाल की बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है.इस विधेयक को सीनेट और हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स से पारित होने के बाद अब राष्ट्रपति के साइन के लिए भेज दिया गया है. वहीं, विधेयक पर मतदान के दौरान दो रिपब्लिकन सांसदों ने पार्टी लाइन से हटकर डेमोक्रेटिक पक्ष में मतदान किया. इस बिल के पास होने से ट्रंप की कई प्रमुख नीतियों को कानूनी ताकत मिल गई, जिनमें मास डिपोर्टेशन (बड़ी संख्या में प्रवासियों को वापस भेजना), सेना और बॉर्डर सिक्योरिटी पर ज्यादा खर्च, और पहले कार्यकाल की टैक्स छूट को आगे बढ़ाना शामिल हैं. विधेयक के पारित होने के बाद व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने पत्रकारों से बात करते हुए बताया कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप शुक्रवार (4 जुलाई) शाम 5 बजे अपने बड़े कर छूट और व्यय कटौती विधेयक पर साइन करने की योजना बना रहे हैं.

भारतीय मूल के व्यक्ति ने प्लेन में यात्री का गला दबाया, अमेरिका में गिरफ्तार

वाशिंगटन, एजेंसी। भारतीय मूल के एक व्यक्ति को फिलाडेल्फिया से मियामी की फ्लाइट के दौरान अपने साथ बैठ एक पैसेंजर पर हमला करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है. वायरल हो रहे एक वीडियो में नेवार्क निवासी 21 वर्षीय ईशान शर्मा और कीनू इवांस 30 जून को फ्रंटियर एयरलाइंस की फ्लाइट के दौरान लड़ते दिख रहे हैं. वायरल क्लिप में दिख रहा है कि ईशान शर्मा और इवांस एक-दूसरे की गर्दन पकड़ने की कोशिश कर रहे हैं, जबकि साथी यात्री उन्हें रुकने के लिए कह रहे हैं.

इवांस ने कथित तौर पर पुलिस को बताया कि हमला बिना किसी कारण किया गया और तब हुआ जब ईशान शर्मा कथित तौर पर उनके पास आया और अपनी सीट पर लौटते समय उसकी गर्दन पकड़ ली.

इवांस ईशान शर्मा से एक सीट आगे बैठे थे. उन्होंने बताया, वह (ईशान) कुछ डार्क हंसी हंस रहा

था, जैसे हा हा हा हा हा. और वह ऐसी बातें कह रहा था, अरे तुच्छ, नश्वर आदमी, यदि तुम मुझे चुनौती देते हो, तो इसका परिणाम तुम्हारी मृत्यु होगी.इवांस ने दावा किया कि इसके बाद उन्होंने वॉशरूम जाने के लिए अपनी सीट छोड़ दी और फ्लाइट अटेंडेंट को ईशान शर्मा के बारे में बताया. फ्लाइट अटेंडेंट ने उनसे कहा कि अगर ऐसा आगे भी जारी रहा तो सहायता बटन दबा दें.

इवांस ने कहा कि जब शर्मा उन्हें जान से मारने की धमकी देते रहे तो उन्होंने बटन दबाया.उन्होंने कहा कि इसके बाद स्थिति बिगड़ गई. आप जानते हैं, वह मुझे बहुत गुस्से से देख रहा था और हम एक-दूसरे की आंखों में आंखें डालकर देख रहे थे, माथे से माथे टच थे, और फिर उसने मेरा गला पकड़ लिया और मेरा गला घोंटना शुरू कर दिया. उस पल में, आप जानते हैं, लड़ाई हो जाती है. मैं एक फ्लाइट में एक तंग, सीमित जगह में हूं, और मैं बस अपना बचाव कर सकता हूं.

ईशान शर्मा को फ्लाइट उतरने पर हिरासत में ले लिया गया और उन पर मारपीट की धारा लगी है. मंगलवार को अदालत में पेशी के दौरान, ईशान शर्मा के वकील ने कथित तौर पर दावा किया कि यह घटना इसलिए शुरू हुई क्योंकि वह ध्यान कर रहे थे. एक न्यूज आउटलेट के अनुसार उनके वकील ने कहा, मेरा मुवक्किल उस धर्म से है जहां वह ध्यान कर रहा था. दुर्भाग्य से, उसके पीछे वाले यात्री को यह पसंद नहीं आया.

पीड़ित का दावा-बिना किसी उकसावे के हमला : पुलिस रिपोर्ट के अनुसार, इवांस ने बताया कि यह हमला बिना किसी उकसावे की कार्रवाई के बावजूद हुआ। पीड़ित ने कहा कि शर्मा उनके पास अपनी सीट पर वापस लौटते हुए आए और अचानक उनका गला पकड़ लिया। इवांस ने 7हद्द2ह्य को बताया, वह एक अजीब हंसी ह्य हा हा हा कर रहा था... और कह रहा था, तुम छोटे और नश्वर इंसान, अगर तुम मुझे चुनौती दोगे तो तुम्हारी मौत होगी। इवांस ने कहा कि वह शर्मा के ठीक सामने बैठे थे। अन्य यात्रियों द्वारा फिल्माए गए वीडियो में दोनों के बीच विमान के अंदर हुई मारपीट देखी जा सकती है।

झगड़े की वजह क्या थी? : इवांस ने कहा कि शर्मा के उदासीन व्यवहार को देखकर वे पहले से ही चिंतित थे और उन्होंने टॉयलेट का इस्तेमाल करते समय फ्लाइट अटेंडेंट्स को सूचना दी थी। उन्हें सलाह दी गई थी कि स्थिति बिगड़ने पर सहायता बटन दबाएं। जब शर्मा की धमकियां जारी रहीं, तो इवांस ने उस सलाह के अनुसार सहायता बटन दबाया, जिससे स्थिति बढ़ गई। इवांस ने कहा, वह गुस्से में मुझसे सामना कर रहा था, माथा से टक्कर मार रहा था और अचानक उसने मेरा गला पकड़ लिया और मुझे घुटन देने लगा। उस समय मेरी सहज प्रतिक्रिया हुई, लड़ो या भागो और मेरे पास उस संकरे स्थान में खुद की रक्षा करने के अलावा कोई विकल्प नहीं था।

कराची में जून महीने में 60 बार कांपी धरती, लोगों में दहशत, आपदा के साये में काट रहे रातें

कराची, एजेंसी। इन दिनों पाकिस्तान के सिंध प्रांत के लोगों की रातें आपदा के साये में कट रही हैं। पाकिस्तान के प्रमुख शहरों में शुमार कराची में जून महीने में 60 बार धरती कांप चुकी है। यहां जून में आए भूकंप के झटके भले ही कम तीव्रता वाले रहे हों, लेकिन लोगों में दहशत बढ़ गई है। कराची के मेयर मुर्तजा वहाब का कहना है कि दो से 22 जून के बीच आए लगातार भूकंप के झटकों के बाद लोग बेचैन हैं। उनको आपदा का डर सता रहा है।

पाकिस्तान के मौसम विभाग का कहना है कि कराची में कम तीव्रता वाले भूकंप के 33 झटके मलीर के नजदीकी इलाकों में दर्ज किए गए। इसके अलावा कायदाबाद, लांधी, गदप, डीएचए सिटी और डीएचए कराची और कोरंगी में भी धरती कांपी। दो जून को कम से कम 10 बार भूकंप के झटके आए। जबकि इसके अगले दिन एक दर्जन झटके महसूस किए गए। वहीं तीन तीव्रता से अधिक वाले छह भूकंप 22 जून को दर्ज किए गए। लांधी में एक कपड़ा फैक्टरी में काम करने वाले जहीर उल हसन ने कहा कि हम जानते हैं कि हमें कैसा महसूस हुआ। हम

जमीन को हिलता हुआ महसूस कर सकते थे और हमें कुछ बुरा होने की आशंका थी, लेकिन कुछ सेकंड के बाद झटके कम हो गए। जब इतने सारे झटके आते हैं तो जाहिर है कि आप तनाव बढ़ता है।

लांधी में रहने वाले फैजान कादरी कहते हैं कि दो से 22 जून के बीच उन्होंने कम से कम 40 भूकंप के झटके महसूस किए हैं। लगातार आ रहे भूकंप के झटकों ने लोगों के मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित किया है। मलीर निवासी निगहत खान ने कहा कि हर बार जब भी भूकंप आता था, चाहे दिन हो या रात, हम अपने परिवार के साथ घरों से बाहर निकल आते थे और मदद के लिए प्रार्थना करते थे।

मुख्य मौसम विज्ञानी अमीर हैदर लेघारी और समुद्री भूविज्ञानी आसिफ इनाम ने पाकिस्तान के सबसे बड़े शहर और वित्तीय केंद्र कराची में बड़े भूकंप की संभावना को कम कर दिया है। लेघारी और इनाम ने माना कि इतनी लंबी अवधि तक कम तीव्रता वाले भूकंपों का आना असामान्य है। उन्होंने कहा कि तटीय शहर कराची कई सक्रिय और निष्क्रिय फॉल्ट लाइनों के करीब है। हाल की भूकंपीय घटनाएं क्षेत्र की प्राकृतिक टेक्टोनिक हलचलों से हुई हैं।

बांग्लादेश में लागू करेंगे शरीयत कानून, फैजुल करीम ने किया तालिबान जैसा शासन लाने का ऐलान

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की कट्टरपंथी इस्लामी संगठन जमात-चर मोंई के प्रमुख पिर मुफ्ती सैयद मुहम्मद फैजुल करीम ने एक इंटरव्यू में स्पष्ट रूप से घोषणा की है कि यदि उनकी पार्टी सत्ता में आती है तो वह देश में तालिबान शासित अफगानिस्तान की तर्ज पर शरीयत कानून लागू करेंगे। अमेरिका स्थित बंग्ला मीडिया संस्था ठिकाना न्यूज के संपादक खालिद मुहीउद्दीन को दिए गए इंटरव्यू में फैजुल करीम ने कहा, अगर राष्ट्रीय चुनाव जीतकर सरकार बनी तो इस्लामिक मूवमेंट बांग्लादेश देश में शरीयत कानून लागू करेगा।

फैजुल करीम ने अफगानिस्तान के वर्तमान शासन प्रणाली की सराहना करते हुए कहा, हम अफगानिस्तान की शासन प्रणाली को अपनाएंगे। तालिबान सरकार ने जो अच्छा किया है, उसे लागू करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि यदि सत्ता में आए तो हिंदुओं समेत सभी अल्पसंख्यकों को शरीयत के तहत अधिकार दिए जाएंगे।

फैजुल करीम ने यह भी कहा कि अमेरिका, ब्रिटेन और रूस जैसे देशों की कुछ अच्छी बातें होंगी तो उन्हें भी अपनाया जाएगा। हालांकि उन्होंने यह कहा कि वे शरीयत के विरोध में नहीं हों।

जमात-चर मोंई जैसे संगठनों का खुलेआम चुनाव लड़ने और शरीयत लागू करने की बातें करना यह दर्शाता है कि बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के दौरान

इस्लामी कट्टरपंथी संगठन राजनीतिक रूप से सक्रिय हो रहे हैं। बांग्लादेश में हाल ही में सत्ता परिवर्तन हुआ है, जहां पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को छात्रों के आंदोलन के बाद अपदस्थ किया गया था और नोबेल पुरस्कार विजेता मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व में अंतरिम सरकार बनाई गई है।

हालांकि करीम ने आश्वासन दिया कि अल्पसंख्यकों को शरीयत के तहत अधिकार मिलेंगे, लेकिन तालिबान जैसे शासन मॉडल के उदाहरण को देखते हुए यह बयान अल्पसंख्यकों के अधिकारों और लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए खतरे की घंटी माना जा रहा है। मानवाधिकार कार्यकर्ताओं और अंतरराष्ट्रीय विश्लेषकों का मानना है कि ऐसी विचारधारा देश की धर्मनिरपेक्षता, महिला अधिकारों और न्याय व्यवस्था को कमजोर कर सकती है।

पीएम मोदी ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेने ब्राजील पहुंचे

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चार दिवसीय यात्रा पर ब्राजील के रियो डी जेनेरियो पहुंचे। यहां उनका प्रवासी भारतीयों ने भव्य स्वागत किया, जिसमें भारत के आतंकवाद विरोधी अभियान 'ऑपरेशन सिंदूर' पर आधारित नृत्य प्रस्तुति शामिल थी। मोदी ने इस कार्यक्रम में भाग लेने वाली भारतीय महिला नर्तकियों से मुलाकात कर उनकी सराहना की। 6 और 7 जुलाई को पीएम मोदी ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे। इसके बाद ब्रासीलिया जाकर राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा से द्विपक्षीय रणनीतिक साझेदारी पर बातचीत करेंगे। यह यात्रा लगभग छह दशकों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की पहली द्विपक्षीय यात्रा है।

दलाई लामा के ९०वें जन्मदिन पर पीएम मोदी की शुभकामनाएं, बताया मानवता का मार्गदर्शक

तिब्बत के आध्यात्मिक गुरु दलाई लामा आज 90 वर्ष के हो गए। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए उन्हें ष्प्यार, करुणा, धैर्य और नैतिक अनुशासनष् का प्रतीक बताया। मोदी ने एक्स पर पोस्ट कर उनके अच्छे स्वास्थ्य और दीर्घायु की कामना की। दलाई लामा का जन्म 6 जुलाई 1935 को तिब्बत के ताक्सर गांव में हुआ था। दो वर्ष की उम्र में उन्हें 13वें दलाई लामा का पुनर्जन्म माना गया और 1940 में तिब्बत के सर्वोच्च नेता के रूप में स्थापित किया गया। भारत में उनका जन्मदिन धूमधाम से मनाया गया। हिमाचल के डोरजिडक मठ और धर्मशाला में विशेष कार्यक्रम हुए, जिनमें प्रमुख भारतीय नेताओं ने भाग लिया। दलाई लामा 1959 से भारत में शरण लिए हुए हैं और दुनिया भर में शांति और करुणा का संदेश देते रहे हैं।

अलीगढ़ : कार हटाने को लेकर विवाद, कर्मचारी से मारपीट

थाना सासनीगेट क्षेत्र के खाई डोरा में रविवार सुबह दुकान के सामने खड़ी कार हटाने को लेकर विवाद हो गया। आरोप है कि समुदाय विशेष के युवक रिजवान ने एमके आर्ट स्टूडियो के कर्मचारी मनवीर के साथ गाली-गलौज कर मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। घायल कर्मचारी को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना से नाराज भाजपाई मौके पर पहुंचे और चार दिन में हिंदू व्यापारियों से मारपीट की दो घटनाओं पर नाराजगी जताते हुए माहौल बिगाड़ने की आशंका व्यक्त की। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। इलाके में शांति व्यवस्था कायम है।

डॉ. मुखर्जी की 125वीं जयंती स्मृति वर्ष की शुरुआत

प्रखर राष्ट्रवादी चिंतक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती श्रद्धा, गौरव एवं प्रेरणा के साथ मनाई गई। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सिविल अस्पताल पहुंचकर डॉ. मुखर्जी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। सांस्कृतिक मंत्रालय की ओर से 6 जुलाई 2025 से 6 जुलाई 2027 तक श्125वीं जयंती स्मृति वर्षश् के तहत प्रदेश भर में दो वर्षीय विशेष आयोजन शृंखला चलाई जाएगी। इन आयोजनों के माध्यम से युवाओं को डॉ. मुखर्जी के आदर्शों, उनके जीवन और भारत की अखंडता के प्रति उनकी प्रतिबद्धता से अवगत कराया जाएगा।

भाजपा को जल्द मिलेगा नया राष्ट्रीय अध्यक्ष, प्रक्रिया अंतिम चरण में पहुंची

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को जल्द ही नया राष्ट्रीय अध्यक्ष मिलने वाला है। पार्टी सूत्रों के अनुसार, अध्यक्ष पद के चयन की प्रक्रिया अब अंतिम चरण में है। भाजपा के संविधान के अनुसार, राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव प्रदेश इकाइयों में संगठनात्मक नियुक्तियों के बाद ही किया जाता है। अब तक अधिकांश राज्यों में नए प्रदेश अध्यक्षों की नियुक्ति की प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। वर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा का कार्यकाल जनवरी 2023 में समाप्त हो गया था। हालांकि, लोकसभा चुनाव 2024 को ध्यान में रखते हुए पार्टी ने उनके कार्यकाल को जून 2024 तक के लिए बढ़ा दिया था। इसके बाद एक बार फिर उनके कार्यकाल को कुछ समय के लिए बढ़ाया गया, जिससे वे अभी भी इस पद पर बने हुए हैं। लोकसभा चुनाव के बाद पार्टी के भीतर नए अध्यक्ष को लेकर कई नामों पर चर्चा चल रही है। संभावित चेहरों में कुछ वरिष्ठ नेता और संगठन के अनुभवी पदाधिकारी शामिल हैं। पार्टी नेतृत्व जल्द ही अंतिम निर्णय ले सकता है, जिससे संगठन को नई ऊर्जा और दिशा मिल सके।

सीएम योगी आदित्यनाथ 9 को आजमगढ़ में पौध रोपण अभियान और जनसभा में शामिल होंगे

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ नौ जुलाई को आजमगढ़ के सठियांव इलाके में केरमा गांव के पास पूर्वांचल एक्सप्रेसवे के किनारे बृहद पौधरोपण अभियान में भाग लेंगे। इसके बाद यहां उनकी जनसभा भी आयोजित हो सकती है। मुख्यमंत्री के आगमन की जानकारी के बाद जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक मौके पर पहुंचकर कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया है। मुबारकपुर थाना क्षेत्र के केरमा गांव में मुख्यमंत्री के आगमन की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं।

अखिलेश यादव के गृह प्रवेश में पूजा कराने वाले पांच ब्राह्मणों का समाज से बहिष्कार

अखिल भारतवर्षीय ब्राह्मण महासभा ने पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के गृह प्रवेश में पूजा-पाठ कराने वाले पांच ब्राह्मणों को समाज से बहिष्कृत करने का ऐलान किया है। महासभा की आपात बैठक में इन कर्मकांडी ब्राह्मणों के व्यवहार को समाज के लिए कलंक बताया गया और कहा गया कि कोई भी ब्राह्मण उन्हें धार्मिक अनुष्ठानों में शामिल न करे। महासभा ने सनातन धर्म की मर्यादा बनाए रखने के लिए इस निर्णय को आवश्यक बताया।

गोपाल खेमका हत्याकांड : राहुल गांधी का हमला, कहा- बिहार बना क्राइम कैपिटल

पटना के गांधी मैदान थाना क्षेत्र में शुक्रवार रात प्रमुख व्यवसायी गोपाल खेमका की गोली मारकर हत्या कर दी गई। इस घटना के बाद बिहार की कानून-व्यवस्था पर विपक्ष ने गंभीर सवाल उठाए हैं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने नीतीश-भाजपा सरकार को घेरते हुए कहा कि ष्बिहार क्राइम कैपिटल बन गया हैष् और अब बदलाव का वक्त आ गया है। राजद नेता तेजस्वी यादव ने भी सरकार पर हमला बोलते हुए इसे ष्जंगलराजष् करार दिया और कहा कि ष्हर महीने व्यापारियों की हत्याएं हो रही हैं, लेकिन इसे छिपाया जा रहा है।ष्गौरतलब है कि छह साल पहले गोपाल खेमका के बेटे गुंजन खेमका की भी हत्या हो चुकी है। राजधानी के पॉश इलाके में हुई इस घटना से व्यवसायी वर्ग में आक्रोश और डर का माहौल है। आगामी विधानसभा चुनावों से पहले यह मामला राजनीतिक रूप से भी अहम बन गया है।

भारत ने इंग्लैंड को ६०८ रन का लक्ष्य दिया

भारत और इंग्लैंड के बीच दूसरे टेस्ट के चौथे दिन भारत ने दूसरी पारी 427/6 पर घोषित कर इंग्लैंड को 608 रनों का विशाल लक्ष्य दिया। कप्तान शुभमन गिल ने 161 रन की शानदार पारी खेली, जबकि केएल राहुल, ऋषभ पंत और रवींद्र जडेजा ने अर्धशतक लगाए। जवाब में इंग्लैंड की शुरुआत खराब रही। स्टंप्स तक इंग्लैंड ने 3 विकेट पर 72 रन बनाए। भारत की ओर से आकाश दीप ने दो और मोहम्मद सिराज ने एक विकेट लिया। इंग्लैंड को जीत के लिए अब भी 536 रन बनाने हैं, जबकि भारत को सात विकेट की दरकार है।

नीरज चोपड़ा ने एनसी क्लासिक के पहले संस्करण का खिताब जीता

भारतीय भालाफेंक स्टार नीरज चोपड़ा ने अपने शानदार फॉर्म को बरकरार रखते हुए शनिवार को नीरज चोपड़ा क्लासिक (एनसी क्लासिक) के पहले संस्करण का खिताब जीत लिया। यह प्रतियोगिता बंगलुरु के कांतीरवा स्टेडियम में आयोजित की गई थी, जिसमें नीरज ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। इस जीत के साथ नीरज ने लगातार तीसरा बड़ा खिताब अपने नाम किया है। इससे पहले उन्होंने 20 जून को पेरिस डायमंड लीग और 24 जून को पोलैंड के ओस्ट्रावा में गोल्डन स्पाइक प्रतियोगिता में भी शीर्ष स्थान हासिल किया था। एनसी क्लासिक में दुनिया के कई शीर्ष भालाफेंक एथलीटों ने हिस्सा लिया था, लेकिन नीरज ने अपने सटीक और दमदार थ्रो से एक बार फिर साबित कर दिया कि वे इस खेल के निर्विवाद चौंपियन हैं। यह जीत उनके आगामी ओलंपिक और विश्व चौंपियनशिप की तैयारियों के लिए भी बेहद अहम मानी जा रही है।

देशभर में बारिश का कहर जारी, दिल्ली में बादल छाए, यूपी के ३० जिलों में यलो और १५ राज्यों में रेड अलर्ट

देश के कई हिस्सों में भारी बारिश जारी है। मैदानी इलाकों में बारिश से राहत मिली है, लेकिन पहाड़ी राज्यों में तबाही मच गई है। हिमाचल और उत्तराखंड में 15 दिनों में वर्षा जनित हादसों में 77 लोगों की मौत हो चुकी है। यूपी के 30 जिलों में येलो अलर्ट और हिमाचल-उत्तराखंड में ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। कई जगह भूस्खलन और सड़कों के बंद होने से जनजीवन प्रभावित हुआ है। मौसम विभाग ने 15 राज्यों में भारी बारिश को लेकर रेड और ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

एलन मस्क ने बनाई नई 'अमेरिकन पार्टी', अमेरिकी राजनीति में हलचल

टेस्ला के मालिक और दुनिया के सबसे अमीर शख्स एलन मस्क ने 'अमेरिकन पार्टी' शुरू करने का ऐलान किया है। उनका कहना है कि यह पार्टी अमेरिकी नागरिकों को उनकी खोई हुई आजादी वापस दिलाने के लिए बनाई गई है। मस्क ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोल के बाद यह निर्णय लिया, जिसमें 65% लोगों ने समर्थन दिया।मस्क ने अमेरिका की वर्तमान राजनीतिक व्यवस्था और हाल ही में पास हुए 'बिग ब्यूटीफुल बिल' की नीतियों की कड़ी आलोचना की है। उन्होंने रिपब्लिकन पार्टी के उन नेताओं का भी विरोध किया जो इस बिल के समर्थन में थे। हालांकि, पार्टी के आगे के प्लान और नेतृत्व को लेकर अभी कोई स्पष्ट जानकारी नहीं मिली है।मस्क की इस नई राजनीतिक पहल से अमेरिकी सियासत में खलबली मची है और यह देखना दिलचस्प होगा कि यह पार्टी आगामी चुनावों में कितना प्रभावशाली साबित होती है।

IRCTC की विशेष रामायण यात्रा ट्रेन २५ जुलाई से, 17 दिन में कराएगी ३० तीर्थों के दर्शन

धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से भारतीय रेलवे खानपान और पर्यटन निगम ने अपनी पांचवीं विशेष श्श्री रामायण यात्रा ट्रेनश का ऐलान किया है। यह ट्रेन 25 जुलाई 2025 से दिल्ली के सफदरजंग रेलवे स्टेशन से रवाना होगी और 17 दिनों में रामायण से जुड़े 30 से अधिक तीर्थ स्थलों की यात्रा कराएगी। इस ट्रेन यात्रा की कुल लागत घ1.17 लाख प्रति व्यक्ति तय की गई है, जिसमें यात्रियों को थर्ड एसी में यात्रा, शाकाहारी भोजन, एसी बसों द्वारा स्थानीय भ्रमण, धर्मशालाओं या होटलों में रात्रि विश्राम, और IRCTC की गाइड सेवा जैसी सुविधाएं मिलेंगी। यात्रा मार्ग में शामिल प्रमुख तीर्थ स्थल होंगे :अयोध्या, राम जन्मभूमि, नंदीग्राम, भरत मिलाप स्थल, सीतामढ़ी और जनकपुर (नेपाल), वनवास स्थल,नासिक, पंचवटी, हम्पी, किष्किंधा नगरी,रामेश्वरम, सेतुबंध रामेश्वर प्ब्ब् के अधिकारियों के अनुसार, अयोध्या राम मंदिर के उद्घाटन के बाद धार्मिक स्थलों की यात्रा के प्रति लोगों में रुचि बढ़ी है, जिसे ध्यान में रखते हुए इस यात्रा को डिजाइन किया गया है।

इनरव्हील क्लब ऑफ अलीगढ़ सिटी का अधिष्ठापन एवं सम्मान समारोह हुआ संपन्न

हरिद्वार में आयोजित इनरव्हील डिस्ट्रिक्ट 311 की असेंबली के दौरान इनरव्हील क्लब ऑफ अलीगढ़ सिटी का अधिष्ठापन समारोह गरिमापूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। सत्र 2025-26 के लिए डॉ. तनु वार्ष्णेय को क्लब अध्यक्ष, डॉ. शुभ्रा जैन को सचिव तथा कविता जैन को कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया। साथ ही रागिनी वार्ष्णेय को ब्ठत और पारुल जिंदल को ंच्च पद की जिम्मेदारी दी गई। डॉ. तनु वार्ष्णेय ने आगामी सत्र में पर्यावरण संरक्षण, महिला सशक्तिकरण, वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण और स्वास्थ्य सेवाओं जैसे क्षेत्रों में सेवा कार्यों की रूपरेखा प्रस्तुत की। इसी क्रम में क्लब ने मदर टेरेसा चौरिटेबल ट्रस्ट पर 70 सेरेब्रल पाल्सी पीड़ितों को भोजन वितरित कर 'अन्नपूर्णा दिवस' मनाया।क्लब की नई कार्यकारिणी द्वारा 5 जुलाई को अलीगढ़ के आभा रीजेंसी में "स्वास्थ्य व लेखा सिद्धि सम्मान" कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें चिकित्सा और लेखा क्षेत्र से जुड़े 12 डॉक्टरों और 8 चार्टर्ड अकाउंटेंट्स को सम्मानित किया गया। सभी अतिथियों को पटका और स्मृति-चिह्न भेंट कर अभिनंदन किया गया।इस अवसर पर डा. पारुल डा.संजीव, डा.अंशु डा. विवेक,डा.मीनल,डा सौमित,डा रूपाली ,डा.तन्मय शेखर ,डा.मनीष,डा.अयंत डा. नितांत एवं सीए प्रवीण गुप्ता,सीए अनिल गुप्ता सीए वत्सल गुप्ता,सीए नंदिता ,सीए शुभिका जैन सीए घनश्याम दास,सीए अर्पित अग्रवाल आदि की सम्मानित किया गया कार्यक्रम का संचालन नीना जैन ने किया व मुख्य अतिथि के रूप मैं डा. दिव्या लहरी व श्रीमती ज्योति मित्तल उपस्थित रही।

अलीगढ़ में मुहर्रम जुलूस आज, यातायात बदला, सुरक्षा कड़ी, ड्रोन निगरानी

अलीगढ़ में मुहर्रम जुलूस को लेकर सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त किए गए हैं। शहर को 9 सेक्टरों में बांटकर मजिस्ट्रेट तैनात किए गए हैं। दो कंपनी पीएसी और एक कंपनी आरएएफ के साथ ड्रोन निगरानी भी होगी। जुलूस के दौरान वाहनों के लिए कई जगह यातायात डायवर्जन लागू रहेगा। भारी वाहनों को शहर में प्रवेश नहीं मिलेगा। नगर निगम ने जुलूस मार्ग पर गड्ढे भर दिए हैं और जल निकासी के लिए मोबाइल पंप व सकिंग मशीनें तैनात की हैं। पानी छिड़काव के लिए टैंकर भी लगाए गए हैं। नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा ने व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया और बेहतर इंतजामों का भरोसा दिया। परचम पार्टी के नाजिम इलाही ने कहा कि इमाम हुसैन का पैगाम पूरी मानवता के लिए है और अन्याय व नफरत से लड़ने की प्रेरणा देता है।

आज जुलाई से ट्रेनों का रिजर्वेशन चार्ट आठ घंटे पहले तैयार होगा

पूर्वोत्तर रेलवे मुख्यालय सहित लखनऊ, इज्जतनगर और वाराणसी मंडल में आठ जुलाई से ट्रेनों के रिजर्वेशन चार्ट को आठ घंटे पहले बनाने की व्यवस्था लागू की जा रही है। मुख्य वाणिज्य प्रबंधक के आदेश के तहत तीनों मंडलों के वरिष्ठ वाणिज्य प्रबंधकों को मैन्युअल चार्टिंग प्रणाली अपनाने के निर्देश दिए गए हैं। इस बदलाव के बाद गोरखधाम एक्सप्रेस का रिजर्वेशन चार्ट पहले दोपहर 12:20 बजे बनता था।

तेज बारिश के चलते मणिकर्णिका घाट डूबा, छत पर हो रहे अंतिम संस्कार

* हिमाचल में 69 मौतें, मध्यप्रदेश, राजस्थान में भारी बारिश

नई दिल्ली/भोपाल/लखनऊ (एजेंसी)। देश के उत्तर और मध्य भारत में मानसून ने तबाही मचाने वाली दस्तक देकर सभी को हैरान-परेशान कर दिया है। मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, हिमाचल और राजस्थान में भारी बारिश के चलते जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। वहां काशी के पवित्र मणिकर्णिका घाट के प्लेटफॉर्म गंगा में डूब गए। अब लोगों को शवों का अंतिम संस्कार घाट की छतों पर करना पड़ रहा है।

मध्य प्रदेश में लगातार हो रही बारिश के कारण कई जगहों पर बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। राज्य के मंडला, सिवनी और बालाघाट जिलों में रेड अलर्ट जारी किया गया। टीकमगढ़ में 24 घंटे में 6 इंच बारिश दर्ज की गई। जबलपुर में एक गैस सिलेंडर से भरा ट्रक पानी में डूब गया, जिससे गैस सिलेंडर नदी में बहते हुए देखे गए। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ है। मंडला जिले में कई इलाकों में बाढ़ जैसी स्थिति है।

उत्तर प्रदेश की बात करें तो गंगा का जलस्तर 15 फीट बढ़ गया जिससे, मणिकर्णिका घाट डूब गया है। वाराणसी में गंगा का जलस्तर तेजी से बढ़ा है। बीते चार दिनों में जलस्तर 15 फीट तक बढ़ चुका है। शुक्रवार रात 11 बजे तक जलस्तर 62.63 मीटर दर्ज किया गया, जो खतरे के निशान (71.262 मीटर) के करीब पहुंच रहा है। काशी का पवित्र मणिकर्णिका घाट पूरी तरह से जलमग्न हो गया। शवदाह के प्लेटफॉर्म पानी में डूब जाने से अंतिम संस्कार अब घाट की छत पर किया जा रहा है। इसके भी फोटोज सोशल मीडिया पर वायरल हुए हैं। रत्नेश्वर महादेव मंदिर भी आधा से अधिक डूब चुका है। वहीं, पंडा-पुरोहितों की 300 से अधिक चौकियां पानी में डूब गई हैं।

वहीं राजस्थान में मानसून ने सभी जिलों को भिगो दिया है, अब एक भी जिला सूखा नहीं है। 1 जून से अब तक राज्य में 167.1 मिमी बारिश हो चुकी है, जो सामान्य से 137 प्रतिशत अधिक है। जबकि पिछले साल जुलाई के पहले सप्ताह तक 14 जिले सूखे की चपेट में थे।

हिमाचल प्रदेशहै लैंडस्लाइड और बाढ़ से 69 की मौत, 500 सड़कें बंद

हिमाचल प्रदेश में लगातार मूसलाधार बारिश से हालात बदतर हो चुके हैं। कांगड़ा, मंडी, शिमला और चंबा जिलों में बाढ़ और भूस्खलन से 69 लोगों की मौत हो चुकी है। मंडी में सबसे अधिक 17 मौतें दर्ज की गई हैं, जबकि 40 लोग लापता हैं। राज्य में 14 पुल बह चुके हैं और 500 से ज्यादा सड़कें बंद हैं।

देश के विभिन्न हिस्सों में भारी बारिश और बाढ़ से जनजीवन अस्त-व्यस्त है। धार्मिक, सामाजिक और परिवहन गतिविधियां बुरी तरह प्रभावित हुई हैं। मणिकर्णिका घाट पर छतों पर अंतिम संस्कार की स्थिति हो या हिमाचल की सड़कों का बंद होना–हर जगह संकट की तस्वीर साफ है। मौसम विभाग ने आगामी दिनों में और भारी बारिश की चेतावनी दी है।

पीएम मोदी का अर्जेंटीना में जोरदार स्वागत, खनिजों को लेकर हो सकता है बड़ा ऐलान

ब्यूनस आयर्स (एजेंसी)। ट्रिनिडाड और टोबैगो की ऐतिहासिक यात्रा पूरी कर शुक्रवार रात अर्जेंटीना की राजधानी ब्यूनस आयर्स पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जोरदार स्वागत किया गया। अर्जेंटीना के राष्ट्रपति जेवियर मिलेई के निमंत्रण पर पीएम मोदी वहां गए हैं। इस महत्वपूर्ण दौरे के दौरान दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी को नई ऊंचाई देने पर जोर दिया जाएगा। पीएम मोदी की अर्जेंटीना यात्रा के दौरान उनकी राष्ट्रपति जेवियर मिलेई से द्विपक्षीय बातचीत होगी, जिसमें रक्षा, ऊर्जा, खनिज, कृषि, निवेश, व्यापार, आतंकवाद विरोध और डिजिटल सहयोग जैसे मुद्दों पर चर्चा होगी। अर्जेंटीना के कैटामार्का प्रांत में भारत की खनिज विदेश इंडिया लिमिटेड ने लिथियम की खुदाई अधिकार पहले ही हासिल कर लिए हैं। अब उम्मीद की जा रही है कि इस क्षेत्र में नई घोषणाएं हो सकती हैं।

अर्जेंटीना लिथियम ट्रायंगल (बोलीविया और चिली के साथ) का हिस्सा है और भारत की इलेक्ट्रिक वाहन और स्वच्छ ऊर्जा रणनीति के लिए लिथियम अत्यंत आवश्यक है। इसके अलावा, अर्जेंटीना के शेल गैस और एलएनजी भंडारों में भी भारत की गहरी दिलचस्पी है। खाड़ी देशों में अस्थिरता को देखते हुए भारत ऊर्जा स्रोतों के विविधीकरण की नीति पर काम कर रहा है और अर्जेंटीना इसका एक प्रमुख हिस्सा बन सकता है। 2024 में भारत और अर्जेंटीना के

बीच द्विपक्षीय व्यापार 5.2 अरब डॉलर के पार पहुंच गया है। दोनों देशों के बीच अब तक व्यापार मुख्यतः सोयाबीन तेल और कृषि उत्पादों पर केंद्रित रहा है, लेकिन अब भारत फार्मा, आईटी और हेल्थटेक जैसे क्षेत्रों में अपना निर्यात बढ़ाना चाहता है।दूसरी ओर, अर्जेंटीना भारतीय तेजस लड़ाकू विमान जैसे रक्षा उत्पादों में रुचि दिखा रहा है। संयुक्त प्रशिक्षण, को-प्रोडक्शन और तकनीक हस्तांतरण पर भी चर्चा हो सकती है।

डिजिटल गवर्नेंस, टेलीमेडिसिन और अंतरिक्ष क्षेत्र में भी दोनों देशों के बीच सहयोग को बढ़ाने की योजना है। भारत के इसरो और अर्जेंटीना की एजेंसी के बीच पहले से सहयोग रहा है, जिसे अब और औपचारिक बनाया जा सकता है।

पीएम मोदी ने अर्जेंटीना पहुंचने पर एक्स पर पोस्ट में कहा, द्विपक्षीय यात्रा के लिए ब्यूनस आयर्स पहुंचा हूं, जिसका फोकस अर्जेंटीना के साथ संबंधों को बढ़ाने पर होगा। मैं राष्ट्रपति जेवियर माइली से मिलने और उनके साथ विस्तृत बातचीत करने के लिए उत्सुक हूं। पीएम मोदी और राष्ट्रपति मिलेई के बीच होने वाली द्विपक्षीय वार्ता में कई अहम मुद्दों पर चर्चा होगी। इसमें रक्षा, कृषि, खनन, तेल और गैस, व्यापार और निवेश, साथ ही जनसंपर्क बढ़ाने जैसे प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग को विस्तार देने के रास्ते तलाशे जाएंगे। इस यात्रा को भारत-अर्जेंटीना संबंधों में एक नए युग की शुरुआत माना जा रहा है। दोनों देशों के बीच 2019 में रणनीतिक साझेदारी स्थापित की गई थी, और अब यह यात्रा उस साझेदारी को व्यावहारिक और व्यापक रूप देने का अवसर है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अर्जेंटीना दौरे से वहां के भारतीय समुदाय में खुशी की लहर है और वे उनका स्वागत करने के लिए बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। ब्यूनस आयर्स में भारतीय मूल के लोगों ने पीएम मोदी के अर्जेंटीना आने की खुशी जताई। अर्जेंटीना की राजधानी में अल्वेयर पैलेस होटल में प्रधानमंत्री का विशेष शास्त्रीय नृत्य के साथ स्वागत हुआ। पीएम मोदी के अर्जेंटीना दौरे पर मीनू खियानी ने कहा, 'हमें पीएम मोदी पर बहुत गर्व है, वे हमें गर्व महसूस कराते हैं। उनका यहां आना हमारे लिए सम्मान की बात है। उन्होंने हमारे देश के लिए जो किया, उस पर हमें बहुत गर्व है।

ट्रिनिडाड और टोबैगो की यात्रा रही ऐतिहासिक

इससे पहले प्रधानमंत्री कार्यालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, पीएम नरेंद्र मोदी ने ट्रिनिडाड और टोबैगो की सफल यात्रा पूरी की और ब्यूनस आयर्स, अर्जेंटीना के लिए रवाना हुए। पीएम मोदी ने एक अन्य पोस्ट में लिखा, ट्रिनिडाड और टोबैगो, धन्यवाद। यहां के पल कभी नहीं भूलेंगे। भारत-ट्रिनिडाड और टोबैगो की दोस्ती को नई गति मिली है। राष्ट्रपति क्रिस्टीन कार्ला कांगालू, प्रधानमंत्री कमला प्रसाद-बिसेसर और वहां की जनता का आभार। उन्होंने एक पेड़ मां के नाम अभियान में भागीदारी के लिए प्रधानमंत्री बिसेसर का भी धन्यवाद किया और जलवायु परिवर्तन पर साझा प्रयासों की प्रतिबद्धता दोहराई।

देश में बढ़ रही है गरीबों की संख्या, ये नहीं होना चाहिए': केंद्रीय मंत्री गडकरी

नागपुर । महाराष्ट्र के नागपुर जिले में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने गरीबों की बढ़ती संख्या पर चिंता जताते हुए कहा कि धन कुछ अमीर लोगों के हाथों में केंद्रित हो रहा है,ऐसा नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा धन के विकेंद्रीकरण की आवश्यकता है, श्री गडकरी ने कृषि, विनिर्माण, कराधान और बुनियादी ढांचे के विकास में सार्वजनिक-निजी भागीदारी (PPP) सहित कई मुद्दों पर बात की।

उन्होंने कहा, 'धीरे-धीरे गरीब लोगों की संख्या बढ़ रही है और धन कुछ अमीर लोगों के हाथों में केंद्रित होता जा रहा है. ऐसा नहीं होना चाहिए, अर्थव्यवस्था को इस तरह से विकसित होना चाहिए कि रोजगार पैदा हो और ग्रामीण क्षेत्रों का उत्थान हो। ' उन्होंने कहा, 'हम एक ऐसे आर्थिक विकल्प पर विचार कर रहे हैं जो रोजगार पैदा करेगा और अर्थव्यवस्था की वृद्धि को बढ़ावा देगा। धन के विकेंद्रीकरण की आवश्यकता है और इस दिशा में कई बदलाव हुए हैं।' केंद्रीय मंत्री ने भारत की आर्थिक संरचना का किया उल्लेख - केंद्रीय मंत्री गडकरी ने उदार आर्थिक नीतियों को अपनाने के लिए पूर्व प्रधानमंत्रियों पीवी नरसिम्हा राव और मनमोहन सिंह को भी श्रेय दिया, लेकिन उन्होंने अनियंत्रित केंद्रीकरण के खिलाफ चेतावनी भी दी। उन्होंने कहा, 'हमें इसके बारे में चिंतित होना चाहिए.' भारत की आर्थिक संरचना का उल्लेख करते हुए उन्होंने सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में क्षेत्रीय योगदान में असंतुलन की ओर भी इशारा किया। उन्होंने कहा, विनिर्माण क्षेत्र 22-24 प्रतिशत, सेवा क्षेत्र 52-54 प्रतिशत योगदान देता है, जबकि कृषि, ग्रामीण आबादी के 65-70 प्रतिशत हिस्से को शामिल करने के बावजूद, केवल 12 प्रतिशत योगदान देती है।'

साथ आए हैं और अब हमेशा साथ ही रहेंगे

● राज ठाकरे को लेकर भाई उद्धव ठाकरे ने कर दिया बड़ा ऐलान

मुंबई (एजेंसी)। उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे ने शनिवार को मुंबई में बड़ी रैली की। इस दौरान मराठी भाषा को लेकर दोनों भाइयों ने एक सुर में अपनी बात रखी। इसके साथ ही दोनों ने एक अहम ऐलान भी कर डाला।

उद्धव ठाकरे ने मंच से कहाकि दोनों साथ आए हैं तो साथ ही रहेंगे। वहीं, मनसे चीफ राज ठाकरे ने कहाकि दोनों भाइयों को साथ खड़ा करके देवेंद्र फडणवीस ने वह कर दिखाया, जो बालासाहेब ठाकरे भी नहीं कर पाए। इस तरह महाराष्ट्र की सियासत में बड़ा बदलाव आता नजर आ रहा है। अगर राज ठाकरे की मनसे और उद्धव ठाकरे की शिवसेना (यूबीटी) का यह साथ चुनाव अभियान में भी बना रहा तो भाजपा के लिए खासी मुश्किल खड़ी हो सकती है। उद्धव ने उन्होंने यह भी कहा कि वह और राज मिलकर मुंबई नगर निगम और महाराष्ट्र की सत्ता पर कब्जा करेंगे।

मेडिकल एजुकेशन में बड़ा घोटाला सीबीआई ने किया पर्दाफाश

एफआईआर में पूर्व यूजीसी चीफ समेत कई बड़े नाम हैं शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। सीबीआई ने एक बड़े मेडिकल एजुकेशन घोटाले का पर्दाफाश किया है। इस घोटाले में स्वास्थ्य मंत्रालय के कई बड़े अधिकारियों, यूजीसी के पूर्व चेयरमैन, धर्मगुरु के अलावा कई नाम शामिल हैं। सीबीआई की एफआईआर में कुल 34 लोगों के नाम शामिल किए गए हैं। इनमें से आठ स्वासथ्य मंत्रालय, एक नेशनल हेल्थ अथॉरिटी, पांच डॉक्टर और एक स्वयंभू संत शामिल हैं। सीबीआई की एफआईआर के मुताबिक यूजीसी के पूर्व चेयरमैन डीपी सिंह का नाम भी भी इस घोटाले में शामिल है। फिलहाल वर टाटा इंस्टिट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज के

चांसलर हैं। दूसरा नाम रावतपुरा इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज एंड रिसर्च के चेयरमैन और स्वयंभू संत रविशंकर महाराज का है। इन्हें रावतपुरा सरकार के नाम से भी जाना जाता है। इसके अलावा इंडेक्स मेडिकल कॉलेज इंदौर के चेयरमैन सुरेश सिंह भदौरिया के खिलाफ भी एफआईआर दर्ज की गई है। गीतांजलि विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार मयूर सरकार का नाम भी इस स्कैम से जुड़ा है। सीबीआई ने अब तक इस मामले में कुल आठ लोगों को गिरफ्तार किया है। तीन डॉक्टरों पर 55 लाख रुपये घूस लेकर मनमानी जांच रिपोर्ट लगाने का आरोप है। एफआईआर के मुताबिक रवि शंकर महाराज ने जांच को लेकर एडवांस जानकारी लेने की कोशिश की। इसके बाद रावतपुर इंस्टिट्यूट के डायरेक्टर अतुल कुमार तिवारी ने मयूर रावल से संपर्क किया। रावल ने जानकारी देने के लिए 25 से 30 लाख रुपये की मांग की। इसके बाद उन्होंने इंस्पेक्शन की तारीक और अधिकारियों के नाम बता दिए। एजेंसियों का दावा है कि रविशंकर महाराज ने डीपी सिंह से भी अपने पसंद की रिपोर्ट बनवाने के लिए संपर्क किया था। वहीं डीपी सिंह ने यह काम सुरेश को सौंप दिया। पीटीआई की रिपोर्ट के मुताबिक इस मामले में डीपी सिंह से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली है।

स्वामी मुद्रक प्रकाशक दिनेश एस त्रिखा द्वारा विभोरवार्ता आफॅसेट 2 स्टेशन रोड, सहारनपुर रोड देहरादून उत्तराखण्ड से मुद्रित कर 27 गुरूद्वारा रोड ज्वालापुर हरिद्वार उत्तराखण्ड से प्रकाशित। RNI NO.UTTHIN/2009/29251 प्रधान सम्पादक दिनेश एस. त्रिखा-9837012330 सम्पादकः विभोर त्रिखा-09927012330